राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 20 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–234 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपनों को दी नौकरी, अमानतुल्लाह ने कमाए करोड़ों; घोटाले की शिकायत करने वाले हाफिज इरशाद का दावा

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे चेयरमैन और ओखला से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तारी के बाद कोर्ट ने चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी और विधायक के करीबियों के घर से कैश और हथियार बरामदगी के बाद पुलिस ने अमानतुल्लाह खान और इनके करीबी हामिद अली को गिरफ्तार किया। इस बीच, इस केस के शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि आप के विधायक और उनके करीबियों ने इस घोटाले में करोड़ों रुपए की कमाई की। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में शिकायतकर्ता हाफिज इरशाद कुरैशी ने आरोप लगाया कि गाइडलाइंस और नियमों का उल्लंघन करते हुए बोर्ड में कई लोगों की भर्ती की गई। उन्होंने आगे कहा कि कुछ ऐसे लोगों को भी नियुक्ति दी गई जिनके अमानतुल्लाह खान से रिश्ते हैं या करीबी हैं। हाफिज ने दावा किया कि 4 साल से भ्रष्टाचार चल रहा था, अमानतुल्लाह और उनके करीबियों ने घोटाले में कोरोड़ों रुपए की कमाई की। उन्होंने कहा, हमने अमानतुल्लाह खान से बस कानूनी रूप से काम करने को कहा था। इससे पहले शनिवार को दिल्ली पुलिस ने अमानतुल्लाह खान के करीबी हामिद अली को गिरफ्तार किया। हामिद के घर से एक अवैध पिस्टल और 12 लाख रुपए कैश मिले थे। हामिद ने एसीबी की पूछताछ में कहा कि अमानतुल्लाह खान ने अपने हथियार और कैश उसके घर में रखा था। सारे ट्रांजैक्शन विधायक के निर्देश पर ही किए गए थे। हामिद अली ने कहा, मैं मूल रूप से यूपी के बुलंदशहर का रहना वाला हूं और प्रॉपर्टी से जुड़े काम करता हूं। शुरुआत से ही मैं अमानतुल्लाह खान से जुड़ा हुआ हूं। विधायक से जुड़े वित्तीय काम और प्रॉपर्टी लेनदेन उनके निर्देश पर ही किए गए हैं।

देर रात फिर भड़के विद्यार्थी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन से हड़कंप मचा

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में एक लड़की द्वारा छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो बनाने की बात सामने आने के बाद रविवार दिन भर कार्रवाई और हंगामे का दौर चला। शाम तक शांति कायम होने के बाद देर रात विद्यार्थी फिर भड़क गए और यूनिवर्सिटी कैंपस में प्रदर्शन करने लगे।

मोहाली/खरड़। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में एक छात्रा द्वारा गर्ल्स हास्टल में छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो बनाने का खुलासे होने के बाद रविवार को दिनभर हंगामा और कार्रवाइयां का दौर चला। पहले आरोपित छात्रा को गिरफ्तार किए जाने और बाद में शिमला से उसके ब्वाय फ्रेंड की गिरफ्तारी के बाद कैंपस में शांति लौटी तो यूनिवर्सिटी प्रबंधन व पुलिस ने राहत की सांस ली। लेकिन देर रात एक बार फिर विद्यार्थी भड़क गए और कैंपस में प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे यूनिवर्सिटी प्रबंधन और पुलिस में हड़कंप मच गया। सोमवार सुबह से भी कैंपस में तनाव बना हुआ है। परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैंऔर पुलिस भी तैनात है।

यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस के हाथ-पैर फूले

रविवार को पूरा दिन यह बात सुर्खियों में रही कि हास्टल की कुछ आहत हुई युवतियों ने खुदकुशी का प्रयास किया है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन और पुलिस किसी छात्रा द्वारा खुदकुशी करने की बात को निराधार बताता रहा। वहीं एक बेहोश युवती को एंबुलेंस में लेकर जाने की वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुई। दूसरी तरफ बताया जाता है कि यूनिवर्सिटी प्रबंधकों की ओर से कैंपस के विद्यार्थियों पर इस मामले संबंधी किसी तरह का स्टेटमेंट न देने का दवाब बनाया जाता रहा।

उसके बाद रविवार देर शाम सैकड़ों की तदाद में यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स ने दोबारा से घेराव किया और रास्ता ब्लाक करके मुख्य गेट के बाहर जमीन पर बैठ गए। भीड़ बढ़ती देख पुलिस के हाथ पांव फूल गए और वहीं यूनिवर्सिटी प्रबंधक के चेहरे पर चिंता नजर आई। विद्यार्थी एंबुलेंस में ले जाई गई छात्रा के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठा रहे थे। इस पर यूनिवर्सिटी के प्रबंधकों ने प्रदर्शन पर बैठे विद्यार्थियों से कहा कि जिस युवती को जस्टिस दिलाने के लिए वे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं वह बिल्कुल स्वस्थ है।

इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पहले उस छात्रा को हमारे सामने लाएं। इसके बाद छात्रा को मौके पर बुलाया गया और उसने अपना पक्ष सबके सामने रखा। इस पर विद्यार्थियों की भीड़ से आवाजें आईं कि यह स्टेटमेंट छात्रा पर दबाव बनाकर दिलवाई जा रही है। विद्यार्थियों ने कहा कि पहले उन्हें इस बात का यकीन दिलाया जाए कि वीडियो वायरल करने वाली युवती को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस पर मौके पर मौजूद मोहाली के डीसी मोहाली ने आश्वासन दिया कि इस मामले में युवती को गिरफ्तार कर लिया गया है और एसआइटी भी बना दी गई है। जल्द ही इस मामले में निष्पक्ष जांच की जाएगी। लेकिन देर रात तक प्रोटेस्ट जारी रहा।

स्टूडेंट्स को भरमाने के लिए पिकनिक का बनाया प्लान

यूनिवर्सिटी में रविवार को माहौल काफी तनावपूर्ण था। आरोप है कि मामले को दबाने के लिए विद्यार्थियों पर दबाव बनाया जा रहा था। उसी के तहत उनको मीडिया को कोई स्टेटमेंट न देने को कहा गया। इसके साथ ही वार्डन ने हास्टल के डी ब्लाक में स्टूडेंट्स के व्हाट्स एप्प ग्रुप पर मैसेज डालकर उन्हें डे आउटिंग के लिए व माइंड फ्रै श करने के लिए राक गार्डन व सुखना लेक घुमाने का पिकनिक प्लान बनाया। वायस मैसेज ग्रुप में भेजा गया लेकिन किसी भी स्टूडेंट्स ने इसका रिस्पांस नहीं दिया।

चंद सेकंड में पलट गई ऑटो चालक की लाइफ

जीती 25 करोड़ की ओणम बम्पर लॉटरी

तिरुवनंतपुरम: ऊपर वाला जब भी देता है छप्पर फाड़ कर देता है यह कहवात उस समय सच हुई जब एक ऑटो चालक की 1 करोड़ या 2 करोड़ नहीं ब्लकि पूरे 25 करोड़ रुपये की लॉटरी निकली। दरअसल, तिरुवनंतपुरम के श्रीवरहम के ऑटो चालक अनूप ने इस साल की ओणम बम्पर लॉटरी जीती है। ओणम बम्पर ने 25 करोड़ रुपये की इनमा राशि जीत ली है।

अनूप ने बताया कि उसने शनिवार रात भगवती एजेंसी से लकी ड्रॉ टिकट खरीदा था। अनूप पहले एक होटल में शेफ के तौर पर काम कर रहा था। उसकी मलेशिया जाने की योजना थी। इसके लिए उसने बैंक से कर्ज भी लेरखा था।

वहीं , केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने रविवार दोपहर परिवहन मंत्री एंटनी राजू और वट्टियूरकावु विधायक वी के प्रशांत की मौजूदगी में लकी ड्रॉ की घोषणा की। बता दें कि इससे पहले केरल लॉटरी के इतिहास में इतनी बड़ी रकम पहले कभी नहीं रखी गई थी। पहले पुरस्कार के लिए 25 करोड़ रुपये की राशि की पेशकश थी तो दूसरे के लिए 5 करोड़ रुपए और तीसरे पुरस्कार के तौर पर 10 व्यक्तियों के लिए 1 करोड़ रुपए की राशि रखी गई थी। पिछले साल के ओणम टिकट की कीमत जहां 300 थी, वहीं इस बार टिकट की कीमत 500 रुपए रखी गई थी। टिकट नंबर टीजे-750605 के साथ अनूप ने जीती 25 करोड़ की लॉटरी में कर कटौती के बाद उन्हें 15 करोड़ 75 लाख रुपये मिलेंगे।

राहुल गांधी ने ईंधन की बढ़ती कीमत, सब्सिडी में कटौती पर मछुआरों से की चर्चा

आलप्पुझा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अपनी पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के 12वें दिन की शुरुआत करने से पहले सोमवार तड़के यहां वडकल समुद्र तट पर मछुआरा समुदाय से बातचीत की। गांधी ने सुबह-सुबह मछुआरों से मुलाकात की और ईंधन के बढ़ते दामों, सब्सिडी में कटौती, कम होते मत्स्य भंडार तथा पर्यावरण को हो रहे नुकसान सहित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों, सब्सिडी में कटौती, कम होते मत्स्य भंडार, पेंशन न मिलने, शिक्षा के अपर्याप्त अवसरों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान संबंधी चुनौतियों पर सुबह छह बजे आलप्पुझा के वडकल समुद्र तट पर मछुआरा समुदाय से बातचीत की। 'भारत जोड़ो यात्रा' सोमवार को पुन्नपरा से शुरू हुई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन, के. सुरेश, रमेश चेन्नीथला, के. सी. वेणुगोपाल और केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन भी गांधी के साथ पदयात्रा में मौजूद रहे। यह यात्रा करीब 16 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद कलावूर पहुंचेगी।

● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी ने ईंधन की बढ़ती कीमतों, सब्सिडी में कटौती, कम होते मत्स्य भंडार, पेंशन न मिलने, शिक्षा के अपर्याप्त अवसरों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान संबंधी चुनौतियों पर सुबह छह बजे आलप्पुझा के वडकल समुद्र तट पर मछुआरा समुदाय से बातचीत की।

वहां से शाम करीब साढ़े 4 बजे फिर यात्रा शुरू की जाएगी और करीब नौ किलोमीटर के बाद चेरथला के समीप मयिथरा में रुकेगी। कांग्रेस की 3,570 किलोमीटर और 150 दिन लंबी पदयात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी, जो जम्मू-कश्मीर में सम्पन्न होगी। 'भारत जोड़ो यात्रा' 10 सितंबर की शाम को केरल पहुंची थी और यह 1 अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचने से पहले 19 दिनों में केरल के 7 जिलों से गुजरते हुए 450 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

अब ईडी ने दुर्गेश पाठक को भेजा समन, सिसोदिया बोले- इनका टारगेट शराब नीति या एमसीडी चुनाव

नई दिल्ली। शराब नीति को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब पार्टी विधायक और नगर निगम चुनाव के प्रभारी दुर्गेश पाठक को तलब किया है। इसकी जानकारी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके दी। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए पूछा है कि इनका मकसद शराब नीति है या निगम चुनाव। सिसोदिया ने सोमवार को ट्वीट कर कहा, आज ईडी ने 'आप' के एमसीडी के चुनाव इंचार्ज दुर्गेश पाठक को समन किया है। दिल्ली सरकार की शराब नीति से हमारे एमसीडी चुनाव इंचार्ज का क्या लेना देना? इनका टारगेट शराब नीति है या एमसीडी चुनाव?

झूठे केस में फंसाने की कोशिश

एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र

सरकार पर निशाना साधा था। पार्टी के पहला राष्ट्रीय जनप्रतिनिधि सम्मेलन में दिल्ली के सीएम ने कहा था कि केंद्र सरकार उनकी पार्टी के मंत्रियों और नेताओं को भ्रष्टाचार के झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रही है। इसकी वजह बीजेपी का आप की बढ़ती लोकप्रियता को नहीं पचा पाना है। उन्होंने कहा था कि हमारे विधायकों पर अबतक 169 केस हो चुके हैं और उन्हें एक भी केस में सजा नहीं हुई है।

पार्टी मे बनाया एमसीडी इंचार्ज-दुर्गेश पाठक आप के उभरते हुए नेता हैं। राघव चद्दा के पंजाब से राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई दिल्ली की राजेंद्र नगर विधानसभा सीट से पार्टी ने दुर्गेश को चुनाव मैदान में उतारा था। उपचुनाव में उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी मतों से हराकर पार्टी की साख बनाए रखी थी। अब पार्टी ने उन्हें नगर निगम चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है।

महिलाओं ने हिजाब जला डाले और कटा लिए बाल, ईरान में पर्दे पर बढ़ा बवाल

नई दिल्ली। ईरान में हिजाब मामले में एक युवती की मौत के बाद बवाल मच गया है और यह मामला अब आगे बढ़ गया है। हिजाब पहनने से इनकार के बाद एक युवती की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई, इसके बाद ईरान की महिलाएं भड़की हुई हैं। यहां तक कि अपना विरोध दर्ज कराने के लिए महिलाएं हिजाब को जला रही हैं और कुछ महिलाएं तो अपने लंबे बाल भी काट रही हैं। उनका कहना है कि वे अपने गुस्से का इजहार इसी तरह कर रही हैं और करेंगी।

महसा अमिनी नामक युवती की मौत के बाद बवाल

दरअसल, ईरान में बीते दिनों 22 साल की युवती महसा अमिनी ने हिजाब पहनने से इनकार किया तो पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। पुलिस कस्टडी में ही उसकी संदिग्ध मौत के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और महिला प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आईं। इसी बीच अब कई

महिलाओं ने अपने बाल काट दिए और हिजाब को भी जला दिया। इसकी कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आए हैं।

महिलाएं बाल काटकर हिजाब जलाकर दिखा रहीं गुस्सा

न्यूज एजेंसी ने ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया कि ईरानी पत्रकार और कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर महिलाओं के बाल काटते हुए वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पुलिस द्वारा महसा अमिनी की हत्या के विरोध में ईरानी महिलाएं अपने बाल काटकर और हिजाब जलाकर अपना गुस्सा दिखा रही हैं।

बड़ी संख्या में छात्राएं विरोध में शामिल हो रहीं

उन्होंने कहा कि सात साल की उम्र से हम अपने बालों को नहीं ढकेंगे तो हम स्कूल नहीं जा पाएंगे और ना ही नौकरी पा सकेंगे। हम इस लैंगिक रंगभेद शासन से तंग आ चुके हैं। इतना ही नहीं ईरानी पत्रकार ने तेहरान विश्वविद्यालय के कुछ वीडियो भी शेयर किए जिसमें दिख रहा है कि बड़ी संख्या में छात्राएं विरोध में शामिल हो रही हैं।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं

ईरान में अन्य जगहों पर भी तेज प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। हालात यह हो गए हैं कि पुलिस ने साघेज शहर में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं। अलीनेजाद ने अपने ट्विटर पर एक और वीडियो शेयर करते हुए कहा कि बहादुर महिलाओं ने अब सड़कों पर धावा बोल दिया। नारा लगाया कि डरो मत, हम सब एकजुट हैं। उन्होंने भी यह बताया कि सुरक्षा बलों ने गोलियां चलाईं और कुछ घायल भी हुए लेकिन अब आवाज नहीं रुकेगी।

यूपी के 15 जिलों में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश का ये सिलसिला मंगलवार 20 सितंबर तक बना रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 20 सितंबर से ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग क्षेत्रों में तेज बारिश का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है।

अगले तीन से चार दिन में यह स्थिति देश के पूर्व-मध्य और पूर्वी भागों तक बनी रहेगी। मौसम विभाग ने यूपी में 19 सितंबर को बारिश के साथ आंधी तूफान का पूर्वानुमान जारी किया है। लखनऊ स्थित मौसम केंद्र ने राज्य के पूर्वी हिस्सों के 15 जिलों में अगले 24 से 48 घंटे के दौरान मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 से 21 सितंबर तक गरज के साथ मध्यम से मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। वहीं ओडिशा और पश्चिम बंगाल, पश्चिमी क्षेत्र के कुछ हिस्सों सहित भारत के पूर्वी हिस्से में भी इसी तरह का मौसम रहने की भविष्यवाणी की गई है। दिल्ली एनसीआर की बात करें तो सोमवार को दिनभर बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

ओडिसा में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने कम दबाव क्षेत्र के चलते ओडिशा में अगले तीन दिन में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के मुताबिक, भुवनेश्वर, कोरापुट, मल्कानगिरी समेत कई

और जिलों में जोरदार बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज सोमवार को पुरी, कालाहांडी, कंधमाल और गंजाम में कुछ स्थानों पर सोमवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में बादल छाए रहेंगे, वर्षा के आसार नहीं

दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। अगले पांच-छह दिन तक बरसात होने की संभावना नहीं है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान रह सकता 34 और 24 डिग्री सेल्सियस। 25 या 26 सितंबर को एक बार फिर हल्की बरसात होने के आसार।

पूर्वी यूपी में झमाझम बारिश की चेतावनी-मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में झमाझम बारिश के संकेत दिए हैं। 22 सितंबर तक पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में हल्की से मध्यम बरसात की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक आज गोरखपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, मऊ, जौनपुर, वाराणसी, सोनभद्र, चंदौली, भदोही, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बस्ती, अयोध्या, संतकबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी आदि जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में आंधी तूफान की भी आशंका है।

बिहार के मौसम का हाल

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने से रोज बारिश हो रही है। पूरे बिहार में मौसम का यही हाल है। सोमवार को सुबह भी राजधानी पटना समेत प्रदेश के कई इलाके में बादल छाये हुए है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार एक हफ्ते तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

संपादकीय

सात दशक बाद चीता

लुप्त होने के बावजूद आधी सदी से भी अधिक समय तक भारतीयों के अवचेतन में मौजूद रहा चीता अब एक हकीकत बन गया है। जिसे पारिस्थितिकीय तंत्र की बहाली की दिशा में सार्थक पहल बताया जा रहा है। पर्यटकों व वन्यजीवियों के उत्साह के इतर इससे स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसर बढ़ने की बात कही जा रही है। इस अंतर-महाद्वीपीय परियोजना को लेकर देश-दुनिया में खास चर्चा है। बहरहाल, मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय पार्क में इन अफ्रीका से लाये गये आठ चीतों को लेकर खूब गहमागहमी है। कुछ दिन अलग रखने के बाद जब ये चीते भारतीय वातावरण के अनुकूल हो जायेंगे तो विशेष रेडियो-कॉलर लगे चीते नेशनल पार्क का हिस्सा बन जायेंगे। बताते हैं कि पांचवें दशक में चीता भारत से लुप्त हो गया था। अब इसे फिर से आबाद करने के लिये वन व पर्यावरण मंत्रालय ने महत्वाकांक्षी योजना को अंजाम दिया। लेकिन इस परियोजना को लेकर जहां उत्साह है, वहीं आशंकाएं भी कम नहीं हैं। कुछ पर्यावरणवादी कह रहे हैं कि इस प्रयास से जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण सेवाओं को लाभ मिलेगा। स्थानीय पर्यटन बढ़ेगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में फूड चेन का जो असंतुलन हो रहा था उसमें सुधार आयेगा। वहीं एक वर्ग आशंका जता रहा है कि यह उद्यान चीतों के लिये आदर्श नहीं क्योंकि बाघ व तेंदुओं के बीच संघर्ष में चीतों को शिकार करने में बाधा पैदा होगी। निस्संदेह यह यक्ष प्रश्न बना रहेगा कि चीते खुद को भारत के वातारवरण के अनुरूप सहजता से ढाल पायेंगे?

बहरहाल, इस कदम को जैव विविधिता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दुनिया ने देखा है कि भारत ने बाघों का संरक्षण करके मिसाल कायम की है। वह बात अलग है कि तस्करों व शिकारियों के हमलों से वन्य जीवों के जीवन पर संकट बरकरार है। वहीं अन्य जीवों को पर्याप्त संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में दूसरे महाद्वीप में बसाये जा रहे चीतों को लेकर शेष दुनिया की नजर बनी रहेगी। वहीं भारत में हर किसी की इच्छा होगी कि नामीबिया से लाये गये चीतों का कुनबा भारत में बढ़े। कोशिश करें कि राष्ट्रीय उद्यानों व अभ्यारण्यों में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो। हमें यह ध्यान रखना होगा कि कई दुर्लभ प्रजातियों पर अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के दौर में देश के जनमानस को पर्यावरण व जैव विविधता के महत्व को बताना होगा और वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना होगा। उन्हें बताना पड़ेगा कि मानव अस्तित्व भी जैव विविधिता के संरक्षण से जुड़ा है। ये आने वाला वक्त बतायेगा कि ये चीते शेरों व तेंदुओं से अपना बचाव किस हद तक कर पाते हैं। निस्संदेह सरकार ने सभी पहलुओं पर विचार करके ही यह कदम उठाया होगा। जनजागरण के लिये चीता मित्रों की फौज भी एक रचनात्मक पहल ही कही जायेगी। यह सार्थक ही है कि मनमोहन सरकार के समय हुई पहल नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान सिरे चढ़ सकी।

मोदी की दो टूक

यूक्रेन को नेस्तनाबूद करने की जिद पर अड़े रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह समझाइश देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आइना दिखाने का काम किया है कि 'आज का युग युद्ध का नहीं है। वक्त इस युद्ध के कारण मुसीबतों में घिरती जा रही दुनिया के लिए खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा की जरूरतों के समाधान का मार्ग तलाशने का है।' शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए समरकंद पहुंचे मोदी ने पुतिन के साथ बैठक के दौरान लोकतंत्र, संवाद और कूटनीति का महत्व बताया। यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच आमने-सामने की पहली मुलाकात थी। पुतिन ने स्वीकारा कि वह यूक्रेन संघर्ष पर भारत की चिंताओं से अवगत हैं और रूस इसे जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। यूक्रेन ने वार्ता प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया है, और युद्ध के मैदान पर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहता है। 'हम आपको वहां होने वाली हर चीज से अवगत कराएंगे।' इस मुलाकात की वैश्विक खासकर अमेरिकी मीड़िया में भरपूर प्रशंसा हुई है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने शीर्षक दिया, 'मोदी ने यूक्रेन में युद्ध के लिए पुतिन को फटकार लगाई।' समाचार पत्र ने लिखा,'इस दुर्लभ निंदा के कारण 69 वर्षीय रूसी नेता सभी पक्षों की ओर से अत्यधिक दबाव में आ गए।' 'द वाशिंगटन पोस्ट' और 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भी अपने वेब पेज पर इसे मुख्य खबर बनाया। मोदी की समरकंद यात्रा को बेहद सफल कहा जा सकता है। बैठक में एससीओ सदस्य देशों ने भारत की चिंताओं के मद्देनजर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंधित आतंकवादियों, अलगाववादियों और चरमपंथी संगठनों की एकीकृत सूची तैयार करने पर प्रतिबद्धता जताई है। बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र इसकी तस्दीक करता है। पुतिन भी रूसपर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर जमा 300,000 टन उर्वरक सदस्य देशों को मुफ्त में उपलब्ध कराने पर राजी हो गए। भारत के वाराणसी शहर को एससीओ की पहली 'सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी' घोषित किया गया जिसे सभी सदस्य देशों का भरपूर समर्थन मिला। भारत 2023 में संगठन के अध्यक्ष के रूप में एससीओ के अगले शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह भारत के बढ़ते प्रभाव का द्योतक है।

चिंतन-मनन

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुरुख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो दुकराओ, न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरूस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरूण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इत्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, इंसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है। आज साहित्य, संस्कृति और समाज के हर मंच पर महिला जागृति या नारी विमर्श का दौर ही चल पड़ा है। मुनि तरूण सागर जी साफ शब्दों में कहते हैं कि समाज पुरुष प्रधान है, परंतु याद रखना चाहिए कि महिलाओं की भूमिका पुरुषों से भी बड़ी है। वे सत्य से मुंह मोड़ने या पीछे हटने वाले समाज को न सिर्फ जगाते हैं बल्कि अपने कड़वे बोल से कोसने में भी कोई गुरेज नहीं करते। सच के पाखंडी चेहरे को पहचानने वाली उनकी गहरी दृष्टि सजग करती हैं कि वास्तव में जो सत्य है उसे किसी बनावट की जरूरत नहीं है। संघर्ष में सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं होता।

छोटी-छोटी बातों से जीवन का बड़ा अर्थ निकाल लेने वाले मुनि तरूणसागर जी के बोल सचमुच अनमोल हैं। एक और उदाहरण देखिए वे कहते हैं कि प्रभु को सात बातें अच्छी नहीं लगती घमंड से भरी आंखें, झूठ से भरी जुबान, बुराई की तरफ बढ़ते कदम, झूठी गवाही, बुरी सोच, भाई को भाई से लड़ाना और खून से सने हाथ। जरा सोचिए इन बातों में आज के मनुष्य और समाज का कौन सा ऐसा पक्ष है जो शेष होगा। इंसान का दोहरापन और दुनिया का बहुरूपियापन हो या हिंसा और आतंक की कीमत पर सब कुछ हासिल कर लेने की अंधी कोशिश, मुनि तरूण सागर जी इन हालातों को बेपरदा कर देते हैं। इसके विपरीत वे जीने की कला की सारी सूत्र भी सहज रूप से बता देते हैं। प्रदूषण के सारे खतरों में विचारों के प्रदूषण को सबसे बड़ा कहने वाले मुनि श्री इस समस्या को विचारों की शक्ति से ही दूर करने के रास्ते भी सुझाते हैं, आवश्यकता बस इतनी है कि सुने हुए को जीवन में उतारने की शक्ति श्रोता स्वयं अपने भीतर पैदा करें।

जो टूटा न हो, उसे जोड़ने का क्या औचित्य?

सियाराम पांडेय 'शांत'

भारत ने महात्मा गांधी की दांडी यात्रा से लेकर आज तक अनेक राजनीतिक यात्राएं देखी हैं। दांडी यात्रा को अपवाद मानें तो शेष राजनीतिक यात्राएं देशहित के कितनी करीब रहीं,उससे देश का कितना भला हुआ,यह किसी से छिपा नहीं है। चाहे 1982 की एनटी रामाराव की चैतन्य रथम यात्रा रही हो या फिर लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से शुरू हुई राम रथयात्रा। वाई.एस.राजशेखर रेड्डी की 2004 की यात्रा रही हो या फिर उनके पुत्र जगह मोहन रेड्डी की 2017 की राजनीतिक यात्रा और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की यात्रा,सबके अपने राजनीतिक अभीष्ट रहे हैं। इसका लाभ उक्त राजनीतिक दलों को तो मिला लेकिन जनता को तो छलावे के सिवा कुछ भी नहीं मिला। ऐसे में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कोई बड़ा निर्णायक चमत्कार करेगी, इसकी परिकल्पना तो नहीं की जा सकती।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी इस यात्रा में भारत को जोड़ेंगे और कांग्रेस को जोड़ेंगे।अरसे से एक बात कही जा रही है कि कश्मीर से कन्या कुमारी तक भारत एक है। यह वह मणिमाला है जो आगे धागे से जुड़ी हुई है। सवाल यह है कि जब भारत एक है तो उसके टूटने का सवाल ही पैदा नहीं होता। और जो टूटा न हो,उसे जोड़ने का क्या औचित्य? अपने भी श्रम की बर्बादी और देश को भी परेशानी में डालने का उद्योग। इससे तो अच्छा यह होता कि राहुल गांधी देश को मजबूत करने की कोशिश करते।

विचारणीय है कि क्या भारत टूट गया है। बिखर गया है जो उसे जोड़ने की बात हो रही है या कि वह गुलाम हो गया है जो दूसरा स्वतंत्रता संग्राम लड़ने की बात की जा रही है। पी चिदंबरम का दावा है कि स्वतंत्रता संग्राम की यह दूसरी जंग तब तक चलेगी जब तक विभाजनकारी ताकतें परास्त न कर दी जाएं। क्या कांग्रेस को दृढ़ विश्वास है कि वह 150 दिन की समय सीमा में तथाकथित विभाजनकारी ताकतों को परास्त कर देगी। जो कांग्रेस खुद को नहीं जोड़ पा रही है,वह देश जोड़ने चली है।

सबको पता है कि जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना की आजाद भारत का पहला प्रधानमंत्री बनने की जिद में भारत का विभाजन हुआ।मतलब जो परिवार देश के विभाजन का खुद जिम्मेदार है,वह किसी और दल को जिम्मेदार ठहरा कर अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो लेना चाहता है। कांग्रेस अगर आज राजनीतिक पराभव के शीर्ष पर है,उसके अपने लोग उसे छोड़ रहे हैं,तो यह उसकी अपनी रीति-नीति की परिणीति है। कांग्रेस देश जोड़ने की बात कर रही है लेकिन वास्तविकता से मुंह मोड़कर। जोड़ तो वहीं लगता है,जहां टूटन हो। कांग्रेस को अपनी ऊर्जा भारत,पाकिस्तान और बांग्लादेश को एक करने पर खर्च करनी चाहिए। चीन द्वारा हड़पी गई भारतीय

> यात्रा और जीवन एक दूसरे के पर्याय हैं। उन्हें अलग-अलग देखना किसी नासमझी से कम नहीं है। यात्रा से अलग जीवन नीरस हो जाता है। यात्रा से व्यक्ति खोता कम, पाता ज्यादा है। यात्रा से मिलने वाले अनुभव किसी पूंजी से कम नहीं है। इसलिए भारतीय समाज हमेशा यात्रा के लिए लालायित रहता है। राहुल गांधी राजनीतिक यात्रा पर हैं। जाहिर है, इस यात्रा का लाभ उन्हें भी मिलेगा लेकिन जनता सरलता और सहजता पसंद करती है। वह दिखावों का नवाचार नहीं चाहती, इस बात को कांग्रेस जितनी जल्दी गांठ बांध लें,उतना ही अच्छा होगा। सत्ता में कौन है,कौन नहीं,यह सेवा के लिए बहुत जरूरी नहीं है। जो जहां है, जितने लोगों के संपर्क में है, वहां स्नेह-सौजन्य को बनाए रखे। यही विकास यात्रा है।

जमीन को छुड़ाने के लिए होनी चाहिए। राहुल,सोनिया और उनके समर्थकों को इन देशों में पदयात्राएं करनी चाहिए लेकिन उन्होनें भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरोध के फेर में गलत मार्ग चुन लिया है।

कांग्रेस दरअसल इस यात्रा में अपने लिए राजनीतिक अवसर तलाश रही है। कभी वह तर्क देती है कि संघ और भाजपा तिरंगे का सम्मान नहीं करते।अपने कार्यालयों पर तिरंगा नहीं फहराते और जब भाजपा और संघ ही नहीं,हर घर पर तिरंगा लहराने लगा तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए।अब वे भाजपा और संघ पर तिरंगे पर एकाधिकार का आरोप लगाने लगे। कांग्रेस के नेता बात तो संविधान की करते हैं लेकिन उन्हें अपने ही देश में दो देश दिखते हैं। देश को टुकड़ों में देखने की आदी हो चुकी आंखें उसकी मजबूती देखेंगी भी तो किस तरह। यह देश भौगोलिक,सांस्कृतिक,भाषाई और क्षेत्रीयता जैसी विविधताओं से युक्त है। ऐसा नहीं कि कांग्रेस को इस देश को जोड़ने और उसे मजबूत करने का अवसर नहीं मिला। खूब मिला। उसे 6 दशक तक खुलकर खेलने का मौका मिला लेकिन उसने कुछ खास लोगों का ही भला किया। सबका साथ तो लिया लेकिन कांग्रेस का हाथ सबके साथ कभी रहा नहीं वर्ना आज इस तरह की यात्राएं निकालने की जरूरत ही नहीं पड़ती। कांग्रेस देश को जोड़ना चाहती है। देश जुड़ जाए तो क्या कांग्रेस उससे अलग है या कांग्रेस खुद को देश से जुड़ा नहीं मानती। यह आज नहीं तो कल उसे सुस्पष्ट करना ही होगा।

समुद्र बनने के लिए बूंद को आत्मोत्सर्ग करना पड़ता है।अपने अस्तित्व,अपनी पहचान और अहमन्यता को खोना पड़ता है। बूंद अपना अलग वजूद रखे और अपार जलराशि का हिस्सा भी बने,यह सम्भव नहीं है। जुड़ना दिमाग का नहीं, दिल का विषय है। और विडंबना इस बात की है कि कांग्रेस खासकर गांधी-नेहरू परिवार आजादी से आज तक दिमाग का ही खेल खेल रहा है। दिल के किसी भी तल पर वह आज तक देश के साथ जुड़ा ही नहीं।

राहुल गांधी का मानना है कि नफरत में उन्होंने अपने पिता को खोया है,देश को नहीं खोना चाहते। वे नफरत पर प्यार की विजय चाहते हैं। शायद इसलिए जनता के बीच हैं। सच तो यह ही कि वे भाजपा और संघ से नफरत की बिना पर ही यह यात्रा निकाल रहे है। कीचड़ से कीचड़ धोने की परंपरा नहीं है। कांग्रेस को अगर वाकई देश के लिए कुछ करना है तो उसे अपना नजरिया बदलना होगा । विकास के मामले में भाजपा से बड़ी रेखा खींचनी पड़ेगी। जिन किन्हीं राज्यों में उसकी सरकार बची है,जहां उसके सांसद, विधायक, पार्षद हैं,वहां विकास को अंजाम तक पहुंचना होगा। उसे जनता का विश्वास जीतना होगा जिसे वह बहुत पहले खो चुकी है और इसके लिए उसे आत्मबल तलाशना होगा। अपनी नेतृत्व क्षमता में धार देनी होगी। उसे प्रामाणिक बनाना होगा। अपने रणनीतिकार और सलाहकार बदलने होंगे।

यात्रा और जीवन एक दूसरे के पर्याय हैं। उन्हें अलग-अलग देखना किसी नासमझी से कम नहीं है। यात्रा से अलग जीवन नीरस हो जाता है। यात्रा से व्यक्ति खोता कम, पाता ज्यादा है। यात्रा से मिलने वाले अनुभव किसी पूंजी से कम नहीं है। इसलिए भारतीय समाज हमेशा यात्रा के लिए लालायित रहता है। राहुल गांधी राजनीतिक यात्रा पर हैं। जाहिर है, इस यात्रा का लाभ उन्हें भी मिलेगा लेकिन जनता सरलता और सहजता पसंद करती है। वह दिखावों का नवाचार नहीं चाहती, इस बात को कांग्रेस जितनी जल्दी गांठ बांध लें,उतना ही अच्छा होगा। सत्ता में कौन है,कौन नहीं,यह सेवा के लिए बहुत जरूरी नहीं है। जो जहां है, जितने लोगों के संपर्क में है, वहां स्नेह-सौजन्य को बनाए रखे। यही विकास यात्रा है। यही भारतीय संविधान की मूल भावना है। पार्टी का जोड़ना और देश को जोड़ना अलग-अलग बातें हैं। इनमें परस्पर घालमेल ठीक नहीं है। वैसे भी विकास और विनाश एक ही मां की दो संतानें हैं। हमें किसके साथ रहना है। यह विवेक तो हमें ही प्रकट करना होगा।

आंदोलन कोई भी हो, यंत्र कोई भी हो,उद्देश्य साफ होने चाहिए। पदयात्रा करेंगे या कंटेनर से चलेंगे,सुस्पष्ट होना चाहिए। यात्रा का अपना रोमांच होता है लेकिन ज्यों ही हम उसे सुविधा से जोड़ते हैं तो रोमांच घट जाता है। कांग्रेस को यह बात समझनी चाहिए। भ्रष्टाचार ,विभाजन,नफरत और प्यार पर बातें करने भर से काम नहीं चलने वाला,राजनीतिक दलों को यह तो बताना ही होगा कि दरअसल वे किसके साथ है। गुड़ खाकर गुलगुले से परहेज की प्रवृत्ति से तो इस देश का भला होने से रहा। मुंडे-मुंडे मतिर्भिन्ना वाले देश में सबको एक जैसा सोचने को बाध्य नहीं किया जा सकता लेकिन परस्पर सामंजस्य तो बनाया ही जा सकता है। भारत को जोड़े रखने का यही मार्ग भी है।

विचार मंथन

अवसर पहचाने भारत

सिद्धार्थ शंकर

ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका में तनाव के बीच पहली बार अमेरिकी युद्धपोत ने ड्रैगन को चेतावनी दी है। नैन्सी पेलोसी के दौरे के बाद चीन ने अप्रत्याशित रूप से ताइवान के करीब युद्धाभ्यास किया था। अब अमेरिका ने भी अपने दो मिसाइल डिस्ट्रॉयर यूएसएस एंटिएटम और यूएसएस चांसलर्सविले ताइवान के समंदर में भेज दिए। अमेरिकी सेना की तरफ से कहा गया है कि यह एक रूटीन ट्रांजिट है। अमेरिका के बयान में कहा गया, दोनों ही युद्धपोत 28 अगस्त से ताइवान के समंदर में रूटीन ट्रांजिट कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय नियमों का किसी भी तरह उल्लंघन नहीं किया जा रहा है। वहीं चीन ने भी इन युद्धपोतों को ट्रैक किया और फिर कहा, हम किसी भी तरह की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। पीएलए के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा, अमेरिकी युद्धपोतों के गुजरने पर नजदीक से नजर रखी जा रही है। हर गतिविधि हमारे नियंत्रण में है। पेलोसी के दौरे के बाद अमेरिका के पांच और सांसद ताइवान पहुंचे थे। इस दौरान भी चीन ने समंदर में अपनी सेना को तैनात कर दिया था। वहीं अमेरिका के इन युद्धपोतों का भेजा जाना यही दिखाता है कि यूएस संवतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र का संदेश देना चाहता है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव पूर्वी एशिया में ट्रेड और कमर्शियल ट्रेवल के लिए खतरा बन गया है। ताइवान के आसपास का समुद्री इलाका दुनिया के सबसे बिजी सी रूट्स में शामिल है। इससे पहले से दबाव झेल रही ग्लोबल सप्लाई चेन पर प्रेशर और बढ़ गया है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग का हब है और अगर वहां तनाव बढ़ता है

तो इससे कंप्यूटर चिप्स की शॉर्टेज और बढ़ सकती है। स्मार्टफोन समेत मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक्स में कंप्यूटर चिप्स का व्यापक इस्तेमाल होता है। पहले ही दुनिया इसकी कमी से जूझ रही है। दुनियाभर के 90 प्रतिशत आधुनिक सेमीकंडक्टर ताइवान ही बनाता है। पिछले साल ताइवान ने 118 अरब डॉलर का सिर्फ सेमीकंडक्टर निर्यात किया है। इन चिप्स का इस्तेमाल स्मार्टफोन, कार, लैपटॉप और दूसरी इलेक्ट्रॉनिक चीजों में होता है। इसके बिना इन चीजों का उत्पादन संभव नहीं है। यही वजह है कि अमेरिका ताइवान की स्थिति को लेकर चिंता में है। दूसरी ओर औद्योगिक विशेषज्ञों को इसमें अवसर दिखाई दे रहा है। चीन में संचालित अमेरिका और यूरोप की कंपनियां इस तनावपूर्ण वातावरण में अपने लिए दूसरे देशों में संभावनाएं तलाश कर रही हैं। भारत को इसका लाभ उठाने के लिए सक्रिय हो जाना चाहिए। यदि मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की कंपनियां निवेश करती हैं तो इससे आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम बढ़ेगा। इस समय जो कुछ दुनिया में चल रहा है उसमें केवल संकट ही नहीं है अवसर भी छिपा हुआ है। चीन से अमेरिका और यूरोप की कंपनियां सिंगापुर, थाइलैंड से लेकर वियतनाम सहित अन्य देशों में अपना प्लांट लगाने को तत्पर हैं। भारत के लिए यही सही अवसर है जब वह इन विदेशी कंपनियों से बात कर यहां निवेश को लेकर प्रोत्साहित करें। इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स और आटोमोबाइल के मामले में चीन भारत से काफी आगे है। ताइवान को लेकर चीन के रुख और ताइवान के साथ अमेरिका के आने को लेकर जो स्थिति बन रही है उससे भविष्य में चीन और ताइवान के अंदर हालात काफी खराब हो सकते हैं। इन दोनों देशों में स्थित कंपनियां अपने लिए बेहतर विकल्प ढूंढ रही हैं। ऐसे में भारत आगे बढ़कर इन कंपनियों के लिए सहारा बने। ऐसा होगा तो भारत वैश्विक औद्योगिक सप्लाई चेन को आक्सीजन देने वाला बड़ा हब बन जाएगा। सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग की दिशा में देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। रूस-यूक्रेन और अब चीन-ताइवान के बीच तनाव से वैश्विक स्तर पर जो वातावरण बन रहा है उसका लाभ भारत को उठाना चाहिए। चीन में स्थित अमेरिका सहित यूरोप की कंपनियां वहां दूरी बना रही हैं। इलेक्ट्रानिक्स, इंजीनियरिंग और आटोमोबाइल के क्षेत्र देश अपनी बढ़त बना सकता है। इस दिशा में सरकार को प्रयास करना चाहिए।

भारत-पाक

मिश्रित संस्कृति नये युग की विशेषता

डॉ. सुरजीत सिंह गांधी

पाकिस्तान बाढ़ से जूझ रहा है। सिंध और बलूचिस्तान में बाढ़ से हालात अत्यधिक खराब हैं। फसल तबाह हो गई हैं। जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। लोग आश्रय और भोजन के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

देश की लगभग 15 प्रतिशत आबादी बाढ़ से प्रभावित है। बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1200 तक पहुंच गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इसे भयावह स्थिति बताते हुए देश में राष्ट्रीय इमरजेंसी लागू कर दी है।

बाढ़ के खराब हालातों पर पाकिस्तानी अखबार डॉन में छपी खबर ने भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व का ध्यान खींचा है। खबर यह थी कि 'बलूचिस्तान के कच्छी जिले के जलाल खान नामक गांव में ऊंचे टीले पर स्थित बाबा माधोदास मंदिर बाढ़ से प्रभावित लोगों और उनके पशुओं को शरण दे रहा है। खाना, पानी और चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध करवा रहा है। लाउडस्पीकर से निरंतर घोषणा की जा रही है कि बाढ़ पीड़ित मंदिर में शरण ले सकते हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए मंदिर तो खुदा की पनाह बन गया है।' दो प्रमुख कारणों से यह खबर महत्त्वपूर्ण बन गई है। पहला, पाकिस्तान ऐसा देश है, जहां अल्पसंख्यक अपने को सुरक्षित महसूस नहीं करते। अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं का जबरन अपहरण, बलात्कार, धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह की खबरें चौंकाती नहीं हैं। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर मामूली आरोपों पर गंभीर सजाएं दी जाती हैं। धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति लगभग न्यूनतम है। अल्पसंख्यकों पर ईशनिंदा कानूनों के तहत अन्यायपूर्ण मुकदमा चलाया जाता है, और मृत्युदंड जैसी सजा भी दे दी जाती है। भारत सरकार, संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंच पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ किए जाने वाले भेदभाव, मानवाधिकारों के उल्लंघन और आतंकवाद को बढ़ावा जैसी गतिविधियों पर सवाल उठाता रहा है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि घोर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पाक के हिंदूओं ने सद्भावना की नई राह बनाते हुए आपदा के इस समय में इंसानियत की मिशाल कायम की है। साम्प्रदायिकता और संकीर्णता से ऊपर उठ कर हिंदुओं ने सेवा भाव का ऐसा जज्बा पेश किया है, जिसकी पूरे विश्व में सराहना हो रही है।

यह खबर इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि पाकिस्तान ऑल हिंदू राइट्स मूवमेंट का सर्वेक्षण बताता है कि आजादी के दौरान देश में मौजूद कुल 428 मंदिरों में से अब 20 ही बचे हैं। जिस देश में मंदिरों को तोड़ने की घटनाएं आम बात है, वहां आज वही मंदिर आसरा बन रहे हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान आज शायद ही यह सोचने पर विवश हो कि भाईचारा ही सबसे बड़ा धर्म है। धर्म एक दूसरे से लड़ना नहीं, बल्कि जोड़ना सिखाता है। मानव लड़ाई नहीं, बल्कि प्रेम और मेल-जोल से रहना चाहता है। मंदिर में शरण लेने वाले लोग इस बात को अवश्य स्वीकार कर रहे हैं कि मुश्किल घड़ी में भोजन और आश्रय प्रदान करने के लिए वे स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय के ऋणी हैं। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम उम्मीद कर सकते हैं कि पाकिस्तान में लोगों का अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण बदलेगा। हिंदुओं को जाति और पंथ की बजाय मानवता के चश्मे से देखा जाएगा? धर्म और संस्कृति बहती नदी की तरह होते हैं, जिसमें प्रवाह होता है। अन्य प्रवाह जब इसमें मिलते हैं, तो वे खुद को भी बदलते हैं, नदी को भी बदलते हैं। पाकिस्तान, भारत का ही टूटा हुआ हिस्सा है, जिसको केवल धर्म की दीवार से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जैविक एवं जेनेटिक्स विज्ञान प्रमाणित कर चुका है कि भारतीय उपमहाद्वीप के लोग मिश्रित हैं। यदि पाकिस्तान भी इस तथ्य को स्वीकारता और अपने व्यवहार में मानवीयता का रंग भरता तो शायद वह भी आज प्रगतिशील देश होता।

धर्म के नाम पर होने वाली राजनीति लोगों के दिलों में दूरिया पैदा करती है। राजनीति में सांप्रादायिकता के आ जाने से विचारधारा संकीर्णता में जकड़ने लगती है जिससे कट्टरता और हिंसा को ही बढ़ावा मिलता है। विचारों में, राजनीति में, संस्कृति में संकीर्णता नकारात्मकता लोग ही बढ़ा रहे हैं। वे अपना वर्चस्व कायम करने रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यदि पाकिस्तान अपनी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकला तो भावी पीढ़ियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। जरूरत है कि मानवीयता द्वारा न केवल विभिन्न संस्कृतियों को समृद्ध किया जाना चाहिए, बल्कि दुनिया के सभी धर्मो के बीच सामंजस्य भी स्थापित किया जाना चाहिए जिससे सभ्यताओं के भावी संघर्ष को टाला जा सके। कोरोना काल के बाद पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है। पाकिस्तान विश्व के साथ कदम दर कदम मिला कर चलना चाहता है, तो उसे भी धर्म की संकीर्णताओं को छोड़कर युवा पीढ़ी को शिक्षा और स्वास्थ्य का मंत्र देने के साथ-साथ अल्पसंख्यकों को भी सम्मान से जीने का अधिकार देना होगा। पाकिस्तान को अपने राष्ट्रीय गान का अक्षरश- पालन कर मिश्रित संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए क्योंकि मिश्रित संस्कृति ही नये युग की नई विशेषता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार ने एयर इंडिया से अलग हुईं दो सहायक कंपनियों की बिक्री प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली। सरकार ने एयर इंडिया से अलग हुईं दो सहायक कंपनियों - एआईएएसएल और एआईईएसएल के निजीकरण की प्रक्रिया शुरू की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने कहा,'निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने एआईएएसएल और एआईईएसएल में निवेशकों की दिलचस्पी का पता लगाने के लिए बैठकें और रोड शो शुरू किए हैं। हम जल्द ही इच्छुक बोलीदाताओं से ईओआई आमंत्रित करेंगे।' सरकार ने कर्ज में डूबी एयर इंडिया को पिछले साल अक्टूबर में टाटा समूह को 18,000 करोड़ रुपये में बेचा था। इस तरह जनवरी में एयर इंडिया पूरी तरह टाटा को सौंप दी गई। हालांकि, एयर इंडिया की चार सहायक कंपनियां - एयर इंडिया एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईएएसएल), एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल), एलायंस एयर एविएशन लिमिटेड (एएएएल) और होटल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एचसीआई) - इस सौदे का हिस्सा नहीं थीं। लगभग 15,000 करोड़ रुपये मूल्य की इन सहायक कंपनियों और गैर-प्रमुख संपत्तियों को एक एसपीवी - एयर इंडिया एसेट्स होल्डिंग लिमिटेड (एआईएएचएल) में स्थानांतरित कर दिया गया है। सरकार ने तब कहा था कि इन सहायक कंपनियों और गैर-प्रमुख संपत्तियों बाद में बेचा जाएगा। इसी क्रम में दीपम ने एआईएएसएल और एआईईएसएल के निजीकरण के लिए निवेशक बैठकों का आयोजन किया।

आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी की आईपीओ के जरिए 740 करोड़ रुपए जुटाने की योजना

राजकोट: आइनॉक्स विंड की अनुषंगी आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी सर्विसेस की इस वर्ष अक्टूबर तक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना है। इसके जरिए वह अपनी विस्तार योजना के लिए 740 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। आइनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश लाल ताराचंदानी

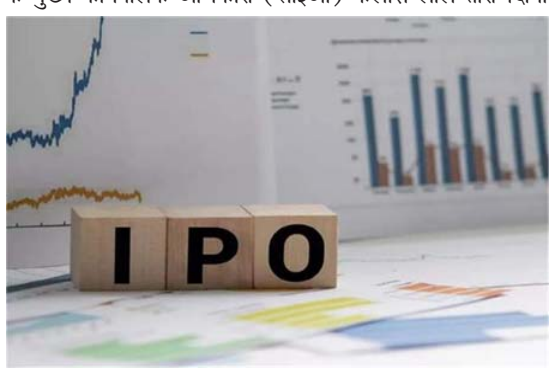

ने कहा कि कंपनी शुरुआत में भारतीय बाजार पर ध्यान देगी और यहां अच्छे से पैर जमाने के बाद विदेशी बाजारों में पहुंच बनाएगी। उन्होंने बताया कि कंपनी की अगले 30 से 45 दिन में आईपीओ लाने की योजना है। आइनॉक्स ग्रीन ने इससे पहले फरवरी में आईपीओ के लिए सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा करवाए थे लेकिन अप्रैल में बिना कोई कारण बताए इन दस्तावेजों को वापस ले लिया था। उसकी तरफ से नए मसौदा दस्तावेज 17 जून को दाखिल किए गए जिनके मुताबिक 740 करोड़ रुपए के आईपीओ में 370 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और इसकी प्रवर्तक आइनॉक्स विंड 370 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री पेशकश करेगी। ताराचंदानी ने बताया कि आइनॉक्स ग्रीन एनर्जी अभी सालाना 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हासिल कर रही है।

ब्रिजस्टोन का अगले साल तक विनिर्माण क्षमता 10 फीसदी बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई। जापान की टायर विनिर्माता कंपनी ब्रिजस्टोन मूल उपकरण विनिर्माताओं और कलपुर्जों के बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए अगले वर्ष तक अपनी विनिर्माण क्षमता में दस फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहती है। कंपनी की भारतीय इकाई के प्रमुख पराग सतपुते ने साथ बातचीत में इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी घरेलू बाजार में अपनी ईवी (बिजली से चलने वाले वाहन) टायर प्रौद्योगिकी लाने पर काम कर रही है। जापान, यूरोप और अमेरिका में ईवी श्रेणी के लिए वह टायर पहले से उपलब्ध करवा रही है। कलपुर्जों के घरेलू यात्री कार टायर बाजार में ब्रिजस्टोन इंडिया की हिस्सेदारी 20 फीसदी है। इस बाजार का कुल आकार 20 लाख टायर प्रतिमाह है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साहित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारत में बढ़ाया निवेशङ्क

विदेशी निवेशकों की भूमिका में बदलाव भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक

नई दिल्ली। दुनिया भर में मंदी की आशंका जताये जाने के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) पिछले करीब ढाई महीने से चौतरफा खरीदारी करने में लगे हुए हैं। जुलाई के पहले लंबे समय तक लगातार घरेलू शेयर बाजार में नेट सेलर (बिकवाल) की भूमिका निभाने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने नेट बायर (खरीदार) की भूमिका अपना ली है। विदेशी निवेशकों की भूमिका में आए इस बदलाव को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिहाज से सकारात्मक माना जा रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई से लेकर अभी तक विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 68 हजार करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी की है। सितंबर के महीने में ही पिछले शुक्रवार यानी 16 सितंबर तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 12,084 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके थे। इसके पहले अगस्त महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 51,200 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जुलाई के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय बाजार में निवेश लगभग 5,000 करोड़ रुपये का था।

हालांकि इसके पहले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में लगातार 9 महीने तक जमकर बिकवाली करके अपने पैसे निकाले थे। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2021 से घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली शुरू की थी, जो जून 2022 तक लगातार जारी रही। इन 9 महीनों के दौरान इन निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.4 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी। जून के बाद निवेशकों ने बिकवाली बंद करके लिवाली शुरू कर दी।

शेयर बाजार के जानकारों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार के प्रति विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का बढ़ता रुझान इस बात का स्पष्ट संकेत है कि

विषम परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें लगातार मजबूत बनी हुई हैं। संभावित वैश्विक मंदी की आशंका से घबराए विदेशी निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित रखने और तुलनात्मक रूप से अधिक मुनाफा कमाने के इरादे से भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने में लगे हुए हैं। जानकारों का ये भी मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रुख में नरमी आने की संभावना को देखते हुए विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में तेज लिवाली शुरू की है।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के मुताबिक विदेशी निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में हो रही बढ़ोतरी पर नरम रुख अपनाना शुरू कर सकता है। हालांकि अगस्त के महीने में अमेरिका में खुदरा महंगाई दर में इजाफा हुआ है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि सितंबर से अमेरिका में महंगाई पर नियंत्रण शुरू हो जाएगा, जिससे ब्याज दरों में नरमी का रुख दिखाने के लिए फेडरल रिजर्व को भी मजबूर होना पड़ेगा। ऐसा होने पर अमेरिकी निवेशकों के लिए अमेरिका के बाहर के बाजार में निवेश करने के मौके ज्यादा बेहतर हो जाएंगे। यही वजह है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार में तेजी के साथ निवेश करने में लगे हुए हैं। दूसरी ओर महिंद्रा सिक्योरिटी के इक्विटी रिसर्च हेड जयंतीलाल मोहन का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को पिछले कुछ दिनों के दौरान लगातार झटकों का सामना करना पड़ा है। इन झटकों के बावजूद जिस तेजी से देश की अर्थव्यवस्था ने रिकवरी का रुख दिखाया है, उससे साफ हो गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जड़ें काफी मजबूत हैं। ऐसे में अभी जबकि पूरी दुनिया में मंदी की आशंका जताई जा रही है, तब भी विदेशी निवेशकों को भरोसा है कि अगर मंदी आई भी, तो उसका भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। यही वजह है की विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक तेजी से भारतीय बाजार में अपना पैसा लगा रहे हैं, ताकि दुनिया के अन्य बाजारों की तुलना में उनका पैसा ज्यादा सुरक्षित बना रहे।

कच्चा तेल 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में नरमी का रुख जारी है। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 86 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इसके बावजूद देश के चार महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 94.27 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। हालांकि, यूपी और बिहार में दोनों ईंधनों की कीमतों में कुछ बदलाव हुआ है। इसके अलावा देश के अन्य शहरों चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर, जबकि लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। देश में पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि श्रीगंगानगर में सबसे महंगा पेट्रोल 113.49 रुपये और डीजल 98.24 रुपये प्रति लीटर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड 91.95 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 85.56 डॉलर

प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह अमेरिका और कई यूरोपीय देशों में मंदी की आशंका है। इस साल 139 डॉलर प्रति बैरल का का भाव छूने के बाद फिलहाल क्रूड ऑयल की कीमत में 35 से 36 फीसदी की गिरावट आ चुकी है, लेकिन देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 30 फीसदी बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपये रहा

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 6,42,287 करोड़ रुपये रहा था

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर सरकार के लिए अच्छी खबर है। वित्त वर्ष 2022-23 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 30 फीसदी का इजाफा हुआ है। अग्रिम कर संग्रह बढ़ने से चालू वित्त वर्ष में 17 सितंबर तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 30 फीसदी बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपये हो गया।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 17 सितंबर तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 8,36,225 करोड़ रुपये (8.36 लाख करोड़) रहा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 6,42,287 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह यह वित्त वर्ष 2021-22 की तुलना में 30 फीसदी अधिक है।

मंत्रालय के मुताबिक अप्रैल-सितंबर के दौरान संचयी अग्रिम कर संग्रह 2,95,308 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले समान अवधि की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। बयान में कहा गया है कि 8.36 लाख करोड़ रुपये के सकल कर संग्रह में 4.36 लाख करोड़ रुपये कॉरपोरेट कर से मिले, जबकि 3.98 लाख करोड़ रुपये व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) से हासिल हुए हैं। पीआईटी में प्रतिभूति लेनदेन कर भी शामिल हैं आयकर रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध कर संग्रह 23 फीसदी बढ़कर 7,00,669 करोड़ रुपये हो गया। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 17 सितंबर तक लगभग

83 फीसदी विधिवत सत्यापित आईटीआर का निपटारा किया जा चुका है। इससे वित्त वर्ष 2022-23 में जारी किए गए रिफंड की संख्या में करीब 468 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 1,35,556 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया जा चुका है।

क्रिप्टो निवेशकों को बड़ा झटका, बिटकॉइन का भाव 19 हजार डॉलर से नीचे आया

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार 19 सितंबर को भारी गिरावट आई। बिटकॉइन का भाव गिरकर 19 हजार डॉलर से नीचे चला गया है। इसी तरह दूसरा प्रमुख क्रिप्टो कॉइन इथेरियम भी पिछले चौबीस घंटों में 10 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। सोमवार सुबह 9:50 बजे कल के मुकाबले आज वैश्विक क्रिप्टो मार्केट कैप कैप 6.24 फीसदी टूटकर 910.15 बिलियन डॉलर रह गया है। हालांकि, बिटकॉइन की बाजार हिस्सेदारी आज 0.17 फीसदी मजबूत होकर 39.60 फीसदी हो पहुंच गई है।बाजार जानकारों का कहना है कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक द्वारा इस सप्ताह ब्याज दर में भारी बढ़ोतरी की आशंका से क्रिप्टो मार्केट में जबरदस्त गिरावट आई है। इसके अलावा मध्य जुलाई के बाद से ही तेजी पर सवार इथेरियम के अब औंधे मुंह गिरने से भी क्रिप्टो निवेशक सहमे हुए हैं। इथेरियम ब्लॉकचेन के अपग्रेडेशन की अफवाहों से इथेरिम ने बढ़त हासिल की थी।

बिटकॉइन में जबरदस्त गिरावट

बिटकॉइन के भाव में जबरदस्त गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में 5.97 फीसदी लुढ़ककर अब यह 18,848.70 डॉलर पर कारोबार कर रही है। इसका बाजार पूंजीकरण अब 360 अरब डॉलर हो गया है। पिछले सात दिनों में बिटकॉइन 13.00 फीसदी गिर चुकी है। इथेरियम में भी पिछले 24 घंटों में जबरदस्त गिरावट आई है। यह 10.20 फीसदी टूटकर 1,304.27 डॉलर पर कारोबार कर रही है। सोमवार को टिथर का रेट भी 0.1 फीसदी लुढ़ककर 1 डॉलर रह गया है। शिबू इनू भी आज 9.34 फीसदी गिरकर 0.00001079 डॉलर पर ट्रेड कर रही है। पोल्काडॉट का भाव भी 9.51 फीसदी गिरकर 6.33 डॉलर रह गया है।

डॉजकॉइन और सोलाना भी लुढ़की

सोमवार को सोलाना में 6.62 फीसदी की गिरावट आई और इसका भाव 31.34 डॉलर रह गया है। इसी तरह एक्सआरपी 6.48 फीसदी टूटकर 0.3455 डॉलर पर कारोबार कर रहा है तो कार्डानो का भाव 9.20 फीसदी लुढ़ककर 0.4396 डॉलर हो गया है। यूएसडी कॉइन में भी आज हल्की गिरावट और इसका भाव 0.01 फीसदी गिरकर 0.9999 डॉलर रह गया है। डॉजकॉइन का रेट भी सोमवार को घट गया और इसमें 7.08 फीसदी टूटकर 0.05714 डॉलर पर आ गया है।

आरबीआई को दरों में वृद्धि का रुख जारी रखने की जरूरत: रंगराजन

कोलकाता: मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मौजूदा सख्त रूख को बनाए रखने की वकालत करते हुए केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर सी रंगराजन ने यह उम्मीद भी जताई है कि पूंजी की आवक दोबारा शुरू होने से रुपए को मजबूती मिलेगी। रंगराजन ने रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में समर कांति पॉल स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पाने के लिए भारत को अगले पांच साल तक आठ-नौ फीसदी की सालाना वृद्धि दर हासिल करनी होगी।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि सात फीसदी पर भी पहुंच जाएगी तो उन्हें खुशी होगी। आरबीआई के

पूर्व गवर्नर ने नीतिगत दरों में वृद्धि के संदर्भ में कहा, ''मौजूदा नीतिगत रूख जारी रहना चाहिए। विकसित देश भी दरों में तीव्र वृद्धि कर रहे हैं, मैं दरों में और वृद्धि की उम्मीद कर रहा हूं।'' रुपये के बारे में उन्होंने कहा कि पूंजी की निकासी की वजह से घरेलू मुद्रा में तेजी से गिरावट आई है और यह 79 से 80 प्रति डॉलर तक गिर गया है।

रंगराजन ने कहा, ''अब पूंजी की आवक होने से रुपया मजबूत होगा, फिर भी यह कोविड से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच पाएगा।' उन्होंने कहा कि उच्च वृद्धि दर को हासिल करने के लिए निवेश की दर बढ़ाकर 33 फीसदी तक करनी होगी जो फिसलकर 27-28 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने निजी निवेश की हिस्सेदारी बढ़ाने की भी बात कही।

बीमा उद्योग में विलय एवं अधिग्रहण सौदे जारी रहने, नई कंपनियां आने की उम्मीद

नई दिल्ली: बीमा उद्योग में विलय और अधिग्रहण सौदे जारी रहेंगे तथा विशेष कौशल के साथ नई कंपनियों का प्रवेश भी जारी रहेगा। हालांकि जानकारों का मानना है कि नई कंपनियों को दीर्घावधि का नजरिया रखना होगा। इस क्षेत्र के पिछले घटनाक्रम और राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ द्वारा हाल में एचडीएफसी लाइफ के साथ एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस के विलय की अनुमति देने से साफ है कि आवश्यक विशेषज्ञता के बिना इस क्षेत्र में आई कंपनियों को कारोबार छोड़ना पड़ सकता है। विलय और अधिग्रहण की जटिलताओं से खुद को सक्षम बनाने के लिए भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने ऐसे सलाहकारों की तलाश शुरू कर दी है, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की

बीमा कंपनियों का मूल्यांकन कर सकें। इरडा अपने अधिकारियों को मूल्यांकन पद्धति के बारे में प्रशिक्षित कर रहा है। बाजार में मौजूद कंपनियों और विश्लेषकों का विचार है कि इस क्षेत्र में वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएं हैं और बीमा उद्योग में नई कंपनियों के प्रवेश तथा विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) के पर्याप्त मौके हैं।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के उप प्रबंध निदेशक आनंद पेजावर ने कहा, 'दूसरे क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी विलय और अधिग्रहण जारी रहेंगे और भविष्य में नए अवसर देखने को मिलेंगे।' उन्होंने कहा कि मजबूत वित्तीय और सही प्रबंधन प्रथाओं वाले खिलाड़ी लंबे समय तक बढ़ते रहेंगे। पेजावर ने आगे कहा कि भारत का बीमा परिदृश्य विशाल है और कंपनियों के लिए साथ-साथ वृद्धि करने की पर्याप्त गुंजाइश है। इस समय देश में 24 जीवन बीमा कंपनियां और 31 सामान्य बीमा कंपनियां है।

सेना ने आपात खरीद के लिए घरेलू रक्षा विनिर्माताओं को दिया आमंत्रण

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने कहा कि 'स्वदेशी उपकरणों की मदद से अगला युद्ध लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता' के अनुरूप उसने घरेलू रक्षा उद्योग को आपातकालीन खरीद के लिए महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों की पेशकश करने के लिए आमंत्रित किया है।

सेना ने अपने कई ट्वीट संदेशों में इस निमंत्रण का उल्लेख करते हुए कहा कि आपात खरीद के लिए घरेलू रक्षा विनिर्माताओं को स्थानीय रक्षा उपकरणों की पेशकश करनी चाहिए। सेना ने कहा, ''यह निमंत्रण स्वदेशी समाधानों के साथ भविष्य की लड़ाई लड़ने की सेना की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।'' सेना ने अपने ट्वीट में कहा कि आपात खरीद में घरेलू स्तर पर विकसित रक्षा उत्पादों की पेशकश एक सीमित समयसीमा के लिए लागू होगी। सेना ने कहा, ''खरीद की यह खिड़की भारतीय उद्योग के लिए छह महीने तक खुली रहेगी और खरीद अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के एक साल के भीतर उपकरणों की आपूर्ति करने की अपेक्षा उद्योग से होगी।'' सेना ने इस खरीद प्रक्रिया को खुली निविदा पर आधारित बताते हुए कहा कि बंदूकों, मिसाइल, ड्रोन, संचार एवं ऑप्टिकल प्रणाली, विशेषज्ञ वाहन, इंजीनियरिंग उपकरण और वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन के लिए प्रस्ताव लाए जा रहे हैं। सेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए पिछले कुछ समय में सैन्य उपकरणों को स्वदेशी स्तर पर विकसित करने पर जोर दिया जाता रहा है। सरकार ने भी इस दिशा में कई सकारात्मक कदम उठाए हैं।

फिर दुनिया के दूसरे सबसे रईस बने गौतम अडाणी, अंबानी 10वें स्थान पर फिसले

नई दिल्ली। भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी एक बार फिर दुनिया के दूसरे सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। अडाणी की व्यक्तिगत संपत्ति 147.2 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। अभी तक सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे बर्नार्ड अरनॉल्ट 138 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ चौथे पायदान पर लुढ़क गए हैं। गौतम अडाणी के बाद सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में अमेजॉन के जेफ बेजॉस का नाम है, जो 147 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियरीज इंडेक्स द्वारा आज जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में अब गौतम अडाणी के आगे सिर्फ टेस्ला के हेड एलन मस्क हैं। एलन मस्क की व्यक्तिगत संपत्ति 264 अरब डॉलर है। इस तरह फिलहाल वे सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में दुनिया भर के बाकी सभी रईसों से काफी आगे हैं।

दुनिया के सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में टॉप 10 में गौतम अडाणी के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी का नाम भी शामिल है, जो आज 10वें पायदान पर पहुंचे हुए हैं। पिछले हफ्ते मुकेश अंबानी इस सूची में 8वें स्थान तक पहुंच गए थे, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में कारोबार के दौरान रिलायंस के शेयर प्राइस में आई गिरावट की वजह से वे अपना स्थान बरकरार नहीं रख सके। शेयर प्राइस में आई गिरावट की वजह से सिर्फ एक ही दिन में मुकेश अंबानी की व्यक्तिगत संपत्ति में 2.32 अरब डॉलर की कमी आ गई। इस तरह मुकेश अंबानी 88.7 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ टॉप रईसों की सूची में 2 स्थान खिसक कर 10वें स्थान पर पहुंच गए।

ब्लूमबर्ग बिलेनियरीज इंडेक्स के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति की सूची में टॉप 100 लोगों में गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी के अलावा अन्य भारतीयों में अजीम प्रेमजी 25.1 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ 47वें स्थान पर, 22.3 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ शिव नाडार 54वें स्थान पर, 21.7 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ राधाकिशन दमानी 55वें स्थान पर और 15.6 अरब डॉलर की व्यक्तिगत संपत्ति के साथ लक्ष्मी मित्तल 99वें स्थान पर मौजूद हैं।

इसके अलावा सबसे रईस व्यक्तियों की सूची में टॉप 200 में शामिल भारतीयों में 107वें स्थान पर दिलीप सांघवी (14.1 अरब डॉलर), 115वें स्थान पर सावित्री जिंदल (13.4 अरब डॉलर), 141वें स्थान पर सुनील मित्तल (12.4 अरब डॉलर) 142वें स्थान पर साइरस पूनावाला (12.2 अरब डॉलर) और 157वें स्थान पर के बिड़ला (11.3 अरब डॉलर) के नाम शामिल हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टी20 आज

मोहाली (एजेंसी)।

भारत क्रिकेट टीम मंगलवार से यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में एशिया कप की गलतियों से उबरने का प्रयास करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य अगले माह होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए इस सीरीज में मध्यक्रम से जुड़े मामले हल करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम अपने सभी संभावित खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी। उसी को देखते हुए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है पर अन्य खिलाड़ियों को अवसर दिया जा रहा है।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि विश्व कप में टीम पूरी ताकत से उतरेगी। साथ ही कहा कि इसके लिए टीम में लचीलापन होना चाहिये ताकि विकल्प उपलब्ध रहें। उसका अभ्यास इस सीरीज में भारतीय टीम करेगी।

भारत ने एशिया कप में अच्छी बल्लेबाजी की पर इसके बाद भी टीम कई अवसरों पर उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पायी। वहीं गेंदबाजी में भी टीम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी। अब इन्हीं सभी के जवाब इस सीरीज में तलाशे जाएंगे। भारतीय टीम में इस सीरीज से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओर युवा गेंदबाज हर्षल पटेल की वापसी हो रही है। इससे भारतीय गेंदबाजी आक्रामण बेहतर होने की उम्मीदें हैं।

कप्तान रोहित ने कहा है कि विश्व कप में लोकेश राहुल ही सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे पर इस सीरीज में विराट कोहली को भी पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। इसका कारण यह है कि रोहित उन्हें पारी की शुरुआत के लिए एक बेहतर विकल्प मानते हैं। इस सीरीज में विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज का भी फैसला होगा। भारतीय टीम ने दो खिलाड़ियों ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक का चयन किय है। अब अंतिम एकादश में किसे शामिल किया जाएगा यह देखना होगा। अनुमान है कि इन दोनो को ही इस सीरीज में अवसर मिलेगा और उसके आधार पर ही विश्वकप में जगह मिलेगी।

ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के टीम में नहीं होने के कारण ऋषभको बायें हाथ का बल्लेबाज होने के कारण कार्तिक पर वरीयता मिलना तय माना जा रहा है। कार्तिक को एक अच्छा 'फिनिशर' माना जाता है पर एशिया कप में उन्हें बल्लेबाजी का अवसर बड़ी मुश्किल से मिला था। ऐसे में उन्हें इस सीरीज में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल सकता है। युवा खिलाड़ी दीपक हुड्डा ने एशिया कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और उन्हें भी इस सीरीज में खेलने का अवसर मिल सकता है। हुड्डा आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही गेंदबाज के तौर पर भी इस्तेमाल किये जा सकते हैं।

जडेजा के बाहर होने के कारण इस सीरीज में शामिल अक्षर पटेल को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है ताकि वह अपनी लय हासिल कर सकें। अक्षर इस सीरीज से पहले फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। उनके आने से भारतीय टीम को अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प मिल जाएगा। टीम के पास बुमराह, भुवनेश्वर

कुमार, हर्षल और हार्दिक जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा अक्षर और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर होंगे।

विश्वकप को देखते हुए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालातों का ध्यान रखते हुए टीम संयोजन तैयार करेगी।

वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और कुछ अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के बिना ही भारत आयी है। वार्नर को विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आराम दिया गया है। वहीं मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में सभी का ध्यान कप्तान आरोन फिंच पर रहेगा जिन्होंने लगातार टी20 पर ध्यान देने के लिए एकदिवसीय को अलविदा कह दिया है। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर विश्व कप से पहले फॉर्म हासिल करना रहेगा। इसके अलावा सिंगापुर मूल के आक्रामक बल्लेबाज टिम डेविड के प्रदर्शन पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। टिम इस सीरीज से ऑस्ट्रेलिया की ओर से उतरेंगे।

शिव थापा, लवलीना एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम में

इटावा (एजेंसी)।

अनुभवी शिव थापा और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन अगले महीने एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में क्रमशः भारतीय पुरूष और महिला टीम की चुनौती की अगुवाई करेंगी। जोर्डन के अम्मान में 30 अक्टूबर से 12 नवंबर होने वाली प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल गुरुवार से शनिवार तक एनआईएस पटियाला में आयोजित किए गए थे। मौजूदा विश्व चैम्पियन निकहत जरीन, एशियाई चैम्पियनशिप के तीन बार के पदक विजेता अमित पंघाल और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता रोहित टोकस और सागर अहलावत ने ट्रायल में हिस्सा नहीं लिया।

भारतीय मुक्केबाज महासंघ (बीएफआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि जरीन को टूर्नामेंट से आराम दिया गया है जबकि पंघाल, टोकस और अहलावत चोटिल हैं। थापा एशियाई चैंपियनशिप के पांच बार के पदक विजेता हैं। उन्होंने इस शीर्ष प्रतियोगिता में अब तक एक स्वर्ण, दो रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते हैं। पिछले टूर्नामेंट में उन्होंने रजत पदक के साथ लगातार पांचवां पदक जीता था और टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए। एशियाई चैंपियनशिप में पांच पदक जीतने वाले एकमात्र अन्य पुरुष मुक्केबाज कजाखस्तान के दिग्गज वेसिली लेविट हैं।

वह ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व चैंपियनशिप के दो बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के दो बार के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) पुरुष टीम में अन्य प्रमुख नाम हैं। दो बड़े टूर्नामेंट - विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करने के बाद लवलीना खुद को साबित करना चाहेंगी। पिछले टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीतने वाली 24 साल की लवलीना 75 किग्रा भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी क्योंकि वह पेरिस ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगी जिसमें उनका वेल्टरवेट 69 किग्रा वर्ग नहीं होगा।

महिला टीम में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (63 किग्रा) और युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियन अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक) भी शामिल हैं। भारतीय दल के टूर्नामेंट से पहले 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए अक्टूबर के मध्य में अम्मान के लिए रवाना होने की संभावना है। टीम इस प्रकार हैं:

पुरुष: गोविंद साहनी (48 किग्रा), स्पर्श कुमार (51 किग्रा), सचिन (54 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), एताश खान (60 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), अमित कुमार (67 किग्रा), सचिन (71 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), लक्ष्य सी (80 किग्रा), कपिल पी (86 किग्रा), नवीन के (92 किग्रा), नरेंद्र (92 किग्रा से अधिक)।

महिला: मोनिका (48 किग्रा), सविता (50 किग्रा), मीनाक्षी (52 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), सिमरनजीत (60 किग्रा), परवीन (63 किग्रा), अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), पूजा (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा), अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक)।

टी-20 विश्वकप में स्काई ब्लू जर्सी में नजर आयेगी भारतीय टीम

पाक टीम की जर्सी बनी मजाक का कारण

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह होने वाले टी-20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम की नई जर्सी लांच कर दी है। बीसीसीआई ने यह जर्सी कप्तान रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी में लांच की। इस बार टीम की नई जर्सी का रंग स्काई ब्लू है। वहीं भारत के अलावा पाकिस्तान की भी नई जर्सी सामने आयी है हालांकि पाक क्रिकेट बार्ड (पीसीबी) ने अभी इसे आधिकारिक रुप से लांच नहीं किया है। सोशल मीडिया पर आयी पाक टीम की जर्सी मजाक का कारण बन गयी है।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम सहित अन्य खिलाड़ियों की नई टी-शर्ट में जो तस्वीरें सामने आयी हैं। उन्हें तरबूजे के आकार और रंग वाला बताकर प्रशंसकों ने जमकर हंसी उड़ायी है। इस जर्सी के साथ कप्तान बाबर आजम भी नजर आये हैं।

टीम इंडिया ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 7 विकेट से दी मात, मंधाना रही प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 18 सितम्बर से हो चुकी है। टी-20 सीरीज में हाथ धोने के बाद वनडे में हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया और टीम ने 7 विकेट से पहले मुकाबले को जीतकर सीरीज पर 1-0 से बढ़त बना ली है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने नतमस्तक दिखी। टीम इंडिया की तरफ से दिप्ती शर्मा ने 10 ओवरों में केवल 33 रन दिए और दो विकेट भी हासिल किए। इंग्लैंड ने इस टीम इंडिया को 228 रनों का लक्ष्य दे दिया।

स्मृति मंधाना ने खेली शानदार पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होने 99 गेंदो में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 91 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि इस मैच में वह अपने शतक से 9 रनों से चूक गईं।

इसके अलावा यास्तिका भाटिया और कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारियों से टीम सीरीज पर बढ़त बनाने में कामयाब रही। हरमनप्रीत कौर ने 94 गेंदों में 7 चौकों और एक छक्का लगाकर 74 रनों की नाबाद पारी खेली।

दोनो टीमों के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 21 सितम्बर को खेला जाएगा। यह मैच इंग्लैंड के लिए करो या मरो की स्थिति के समान होगा। यदि इंग्लैंड इस मैच में हार जाती है तो भारत का सीरीज पर कब्जा हो जाएगा।

बांग्लादेशी गेंदबाज रुबेल ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है हालांकि व सीमित ओवरों के मुकाबले खेलते रहेंगे। रुबेल ने काफी समय से अवसर नहीं मिलने के साथ ही युवा खिलाड़ियों के लिए जगह बनाने के कारण संन्यास का ये फैसला किया है। 32 साल के इस तेज गेंदबाज ने साल 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अब तक केवल 27 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में कुल 36 विकेट लिए हैं। इसमें 166 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। टेस्ट में रुबेल अधिक प्रभावी नहीं रहे है पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। . रुबेल ने 104 एकदिवसीय मैचों में 129 विकेट लिए है। वहीं टी20 में उनके नाम 28 विकेट हैं। रुबेल ने कहा कि युवाओं को मौका देने के लिए ही मैंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है। रुबेल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप में बांग्लादेश टीम का हिस्सा नहीं हैं। टेस्ट क्रिकेट में हुसैन के खराब इकोनॉमी रेट को लेकर हमेशा ही सवाल उठे हैं। .

पैसे के कारण बीसीसीआई के खिलाफ नहीं बोलते लोग: हफीज

लाहौर (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने कहा है कि पैसे की ताकत के कारण आज विश्व क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का दबदबा बना हुआ है। हफीज के अनुसार इसी कारण कोई भी बीसीसीआई की आलोचना करने के लिए तैयार नहीं है। इससे पहले दिगगज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट और श्रीलंका के अरविंद डीसिल्वा ने भी बीसीसीआई के एकाधिकार पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि इसके नकारात्मक प्रभाव पड़ेंगे। हफीज ने एक साक्षात्कार में कहा, क्रिकेट एक खूबसूरत खेल है और इसे खेलने वाले देश वास्तव में इस खेल में अच्छे हैं। उनके पास एक ऐसा स्वभाव है, जो प्रशंसकों का मनोरंजन करता है पर जब बीसीसीआई की बात आती है, तो हर कोई जानता है कि कई बार लोग यह सोचकर चुप रहते हैं कि वे इसकी आलोचना नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि अगर आलोचना सकारात्मक है तो आलोचना करने में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा पक्षपातपूर्ण राय और व्यक्तिगत होने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी भी मंच के खिलाफ रहा हूं, लेकिन रचनात्मक आलोचना ठीक होनी चाहिए। कई बार लोग सोचते हैं कि उन्हें किसी सलाह की जरूरत नहीं है, लेकिन यह सही रवैया नहीं है। हफीज ने कहा कि बीसीसीआई की तारीफ इसलिए की जाती है, क्योंकि वह खेल में राजस्व लाता है। उन्होंने कहा, भारत के खिलाड़ी बड़े प्रोडक्ट्स हैं।वे जहां भी जाते हैं, उनके नाम का महत्व बढ़ जाता है पर यह भी सही है कि अन्य देशों के खिलाड़ी भी अच्छा कर रहे हैं और वे भी आपको प्रेरित करने के साथ ही रोमांचक पल देते हैं।

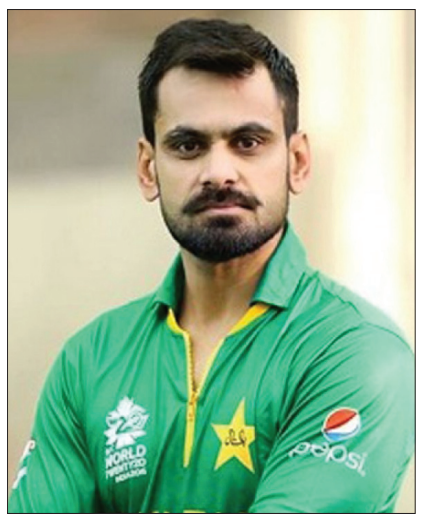

दक्षिण अफ्रीकी सीएसके निलामी में नहीं खरीदा जा सकता कोई भारतीय खिलाड़ी

जोहांसबर्ग (एजेंसी)।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसके) की नई टी20 लीग के लिए होने वाली नीलामी में किसी भी भारतीय खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा।

इसका कारण है कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने संन्यास से पहले किसी भी खिलाड़ी को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति नहीं दी है। सीएसके के सभी मालिक आईपीएल टीम से जुड़े हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स ने जोहानिसबर्ग टीम खरीदी है वहीं मुंबई इंडियंस ने केपटाउन, सनराइजर्स हैदराबाद ने ईस्टर्न कैप, लखनऊ सुपर जायंट्स को डरबन, राजस्थान रॉयल्स ने पार्ल और दिल्ली कैपिटल्स ने प्रिटोरिया टीम खरीदी है।

जिन टीमों के लिए बोली लगेगी उनके नाम एमआई केपटाउन, डरबन सुपर जायंट्स, जोहानिसबर्ग सुपरकिंग्स, पार्ल रॉयल्स, प्रिटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स ईस्टर्न कैप है। इसकी नीलामी सूची में कुल 533 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। यह लीग अगले साल जनवरी-फरवरी में होगी। लीग के नियम के अनुसार, एक टीम में ज्यादा से ज्यादा 17 खिलाड़ी हो सकते हैं। इसमें 7 विदेशी और 10 दक्षिण अफ्रीका के होने चाहिए। वहीं अंतिम -11 में 4 विदेशी खेल सकते हैं। 533 खिलाड़ियों की नीलामी में 248 खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के हैं।

वहीं एक टीम 16 करोड़ तक की रकम खिलाड़ियों के खरीदने पर खर्च कर सकती हैं। ऑक्शन में सबसे अधिक आधार मूल्य 80 लाख रुपए रखा गया है। इस टूर्नामेंट में कुल 33 मुकाबले होने हैं। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे से 2-2 बार खेलेंगी। इसके बाद नॉकआउट के मुकाबले होंगे।

रॉबिन उथप्पा ने बंगाल के राज्यपाल को घेरा, फोटो शूट के दौरान सुनील छेत्री को दिया था धक्का

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के स्टार प्लेयर सुनील छेत्री 18 सितम्बर को अपनी टीम बेंगलुरु एफसी के लिए 2022 डूरंड कप का खिताब नाम करने में कामयाब रहे। इस बीच ट्रॉफी फोटो शूट के दौरान छेत्री को धक्का देने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, पूरा मामला ये था कि ट्रॉफी फोटोशूट के दौरान बंगाल के राज्यपाल ला गणेशन अय्यर ने छेत्री को पीछे हटाने की कोशिश की। इसके बाद गवर्नर को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी रॉबिन उथप्पा ने भी राज्यपाल पर निशाना साधा है।

'यह हर तरह से गलत है'- रॉबिन उथप्पा

पूर्व क्रिकेटर ने ट्वीटर पर लिखा, 'यह हर तरह से गलत है!! क्षमा करें @chetrisunil11 आप इससे बहुत बेहतर के पात्र हैं!!' वहीं, क्रिकेट में कमेंट्री करने वाले आकाश चोपड़ा ने भी इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होने लिखा, 'यह शर्मनाक है।' इतना ही नहीं, कुछ लोगों की मांग है कि राज्यपाल ला गणेशन अय्यर को सुनील छेत्री से माफी मांगनी चाहिए।

राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान हमारी 'फिनिशिंग' अच्छी नहीं थी: नवनीत कौर

बेंगलरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड नवनीत कौर ने सोमवार को स्वीकार किया कि विश्व कप और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान उनकी टीम की 'फिनिशिंग' अच्छी नहीं थी और भविष्य की प्रतियोगिताओं में इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। भारतीय टीम जुलाई में विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में भी जगह नहीं बना पाई थी लेकिन उसने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता। नवनीत ने कहा कि हम अपनी टीम के समन्वय में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। हम एक टीम के रूप में अपनी फिनिशिंग पर भी काम कर रहे हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें हमने विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों में इस विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि एक टीम के रूप हमने इन क्षेत्रों की पहचान की है और हमने उन पर काम भी शुरू कर दिया है ताकि हम अगली प्रतियोगिताओं से पहले तैयार रहें।

सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद विनेश फोगाट बोली, हम खिलाड़ी है रोबोट नहीं

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना को निराशाजनक करार देते हुए भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि 'खिलाड़ी रोबोट नहीं होते हैं'। विनेश ने इसके साथ ही साथी खिलाड़ियों से मेहनत जारी रखने को कहा ताकि इस तरह की आलोचना की संस्कृति को खत्म किया जा सके।

विनेश ने बेलग्रेड में पिछले सप्ताह 53 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाली देश की पहली महिला पहलवान है। वह क्वालीफिकेशन दौर में मंगोलिया की खुलान बटखुयाग से जिस तरह से 0-7 की हारी उसकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए रेपेचेज में दो दौर के बाद कांस्य पदक मुकाबले को बिना अंक गंवाए अपने नाम किया। यह 28 साल की खिलाड़ी हालांकि सोशल मीडिया पर हुई आलोचना से काफी आहत है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा, 'खिलाड़ी भी इंसान होते है। खिलाड़ी होने का यह मतलब नहीं कि हम किसी भी टूर्नामेंट में रोबोट की तरह काम करें। मुझे यह नहीं पता कि यह संस्कृति सिर्फ भारत में ही है या और जगह भी है। जहां लोग घर में बैठकर ही विशेषज्ञ बन जाते है।' उन्होंने लिखा, 'व्यक्ति पेशेवर हो या नहीं उसने अपने सफर में कई कठिनाइयों, संघर्षों और चुनौतियों का सामना किया होता है। वे टिप्पणी नहीं करते, आलोचना करते है। वह आलोचना करते समय खुद को पेशेवर करियर के विशेषज्ञ समझने लगते है।'

विनेश ने एथलीटों की लगातार आलोचना पर सवाल उठाते हुए कहा, 'हम एथलीट के रूप में हर चीज के लिए जवाबदेह क्यों हैं। एथलीटों को समर्थन और प्रोत्साहन के बजाय उसके प्रशिक्षण को लेकर टिप्पणियों का सामना क्यों करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत हतोत्साहित करने वाला होता है जब लोग यह मान लेते हैं कि वे इस पर टिप्पणी कर सकते हैं कि एथलीटों को अपना करियर कब समाप्त करना चाहिए, कब खेलना चाहिए और कब नहीं खेलना चाहिए।' उन्होंने लिखा, '' एक जीत का मतलब हमेशा यह नहीं होता है कि एक एथलीट ने कुछ अतिरिक्त असाधारण किया है और हार का मतलब यह नहीं है कि एथलीट ने उस खेल के दौरान कोशिश नहीं की है। जीत और हार हर एथलीट की यात्रा का एक हिस्सा है और एथलीट हर बार कड़ी मेहनत करते हैं।'

विनेश कहा कि आलोचकों को खिलाड़ियों के प्रयासों और संसाधनों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। उन्होंने कहा, 'इन चीजों पर टिप्पणी करना बहुत आसान है क्योंकि उनके लिए यह मैच देखने जीवन के सिर्फ एक दिन के बारे है। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि उस समय खिलाड़ी की मानसिक स्थिति, खासकर मुश्किल समय में कैसी है।' उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया प्रशंसकों और समर्थकों से जुड़ने का शानदार मंच रहा है लेकिन अब इसका इस्तेमाल नकारात्मक आलोचनाओं को फैलाने के लिए हो रहा है।'

विनेश ने साथी भारतीय एथलीटों को सपने देखते रहने और कड़ी मेहनत करने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि अनावश्यक आलोचना समाप्त हो जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यहां मेरे सभी साथी एथलीटों के लिए है, जो एक कठिन यात्रा के माध्यम से खुद को बार-बार साबित करते है और लोगों से डरे बिना अपने सपने के प्रति हौसला दिखाने का साहस रखते हैं'। उन्होंने कहा, 'मेरे प्रिय एथलीटों, हम सब एक ही जगह पर हैं और हमारी यात्रा एक जैसी है। उम्मीद है हम अपने निरंतर प्रयासों, साहस और समर्पण के साथ किसी दिन इस संस्कृति को बदलने की कोशिश करेंगे।'

कपिल देव लेकर आ रहे गोल्फ लीग, सेलिब्रिटी गोल्फर भी लेंगे हिस्सा, इतनी तारीख से होगी शुरू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव ने सोमवार को ग्रांट थॉर्नटन भारत और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के साथ मिलकर 'कपिल देव-ग्रांट थॉर्नटन इन्विटेशनल' टूर्नामेंट के आयोजन की घोषणा की, जिसमें पेशेवर खिलाड़ियों के साथ गोल्फ के शौकिया, कॉरपोरेट और सेलिब्रिटी गोल्फर भी हिस्सा लेंगे। कपिल देव ने कहा कि मैं इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं ग्रांट थॉर्नटन भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विशेष चंडियोक का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने भारत के गोल्फिंग इतिहास में एक ऐतिहासिक आयोजन शुरू किया। उन्होंने बताया कि 27-30 सितंबर 2022 तक आयोजित टूर्नामेंट गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब के गैरी प्लेयर कोर्स में खेला जाने वाला पहला पूर्ण क्षेत्र पीजीटीआई कार्यक्रम होगा। टूर्नामेंट में कुल एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि के लिए 126 पेशेवर खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

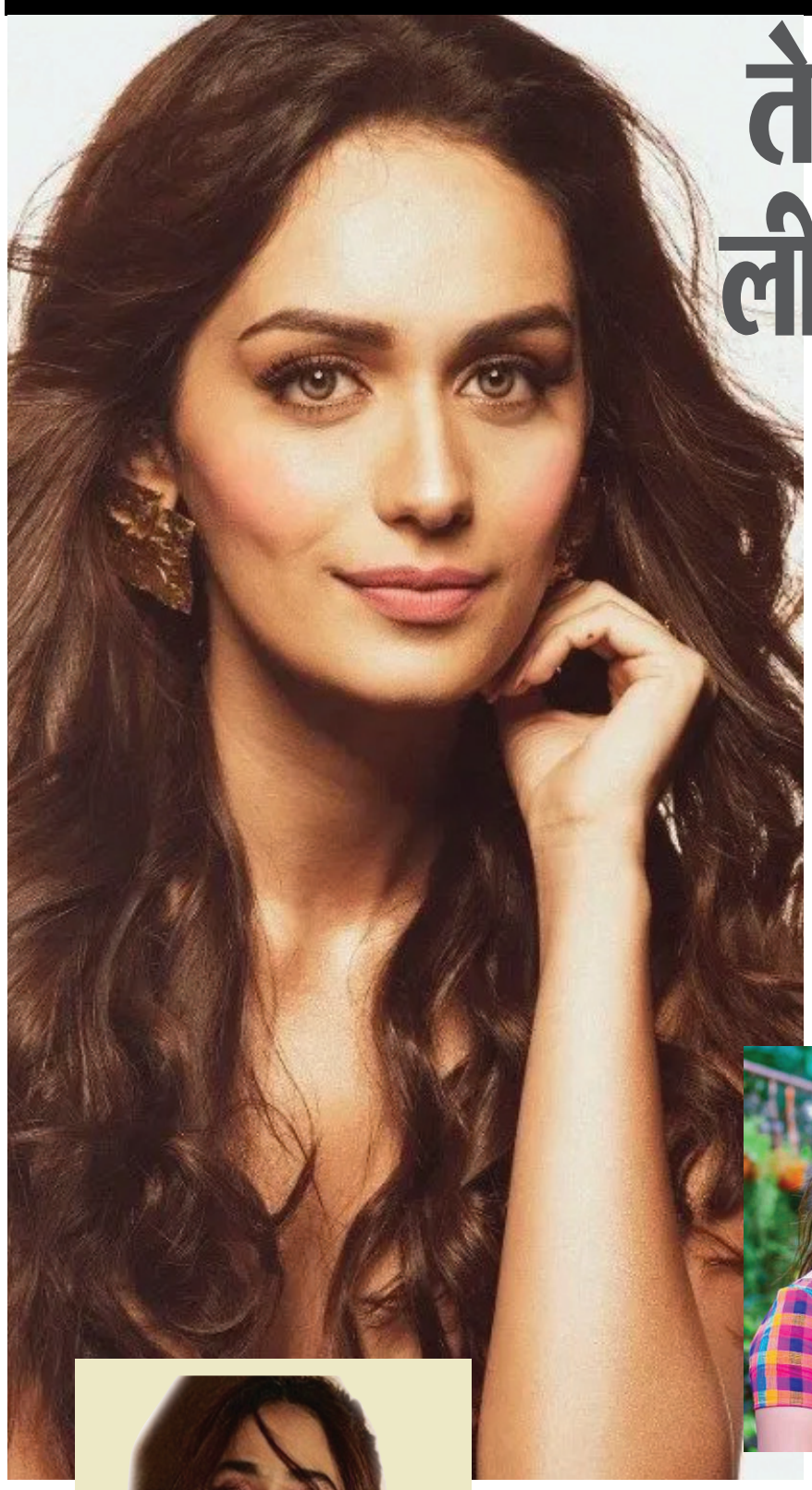

तेहरान में मानुषी छिल्लर लीड रोल में आएंगी नजर

इस साल कई बड़ी फिल्मों का सिनेमाघरों में बुरा हश्र हुआ है। ऐसे में फ्लॉप का लेवल बड़े सितारों पर चस्पा न हो, उसकी खातिर आने वाले समय में कई बड़े सितारे अपनी फिल्मों को डायरेक्ट टु ओटीटी पर लाने वाले हैं। उन सितारों की फेहरिस्त में जॉन अब्राहम भी शामिल हो सकते हैं। वही जॉन जो अब तक लगातार दावे करते रहें हैं कि वे तो बड़े पर्दे के हीरो हैं, जो 299 या 499 रुपए में लोगों के लिए उपलब्ध नहीं होना चाहते। बेशक उनकी शाहरुख खान के साथ पठान आ रही है, जो अगले साल रिपब्लिक डे पर सिनेमाघरों में आएगी। साथ ही हाल ही में एक विलेन रिटर्न्स ने सिनेमाघरों में डीसेंट कलेक्शन किया था। इनके बावजूद उनकी तेहरान या तारिक में से कोई एक ह्रञ्ज्ञ का रुख कर सकती है। दोनों फिल्मों पर उनके को-प्रोड्यूसर पार्टनर बेक माय केक फिल्म्स हैं।

साउथ इंडस्ट्री उभरती हुई एक्ट्रेस ने 29 साल की उम्र में मौत को लगाया गले

साउथ इंडस्ट्री से एक बार फिर दुखद खबर सामने आई है। बीते कुछ महीनो में साउथ की कई एक्ट्रेस इस दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं। अब तमिल फिल्म एक्ट्रेस पॉलिन जेसिका उर्फ दीपा की भी महज 29 साल की उम्र में मौत हो गई है। पॉलिन जेसिका ने अपना स्टेज नेम दीपा रखा था। खबरों के अनुसार साउथ इंडस्ट्री की उभरती हुई इस एक्ट्रेस ने कथित तौर पर अपनी जिंदगी खुद खत्म कर ली। पॉलिन जेसिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। उनका पार्थिव शरीर उनके घर के एक कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। वह चेन्नई के एक अपॉर्टमेंट में अकेले रहती थीं। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पॉलिन की निजी जिंदगी में काफी तनाव था। अदाकारा के माता-पिता उनकी शादी उनकी मर्जी के बगैर करना चाह रहे थे। खबरों के मुताबिक दीपा किसी और से प्यार करती थीं। लेकिन उनका प्यार सफल नहीं हो पा रहा था। दीपा की यूं अचानक मौत ने पूरी फिल्म स्तब्द है। दीपा के के हाथ कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट्स भी थे। हालांकि इससे पहले ही उन्होंने अपनी जिंदगी कथित तौर पर खत्म कर ली।

आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' इस दिन? सिनेमाघरों में देगी दस्तक

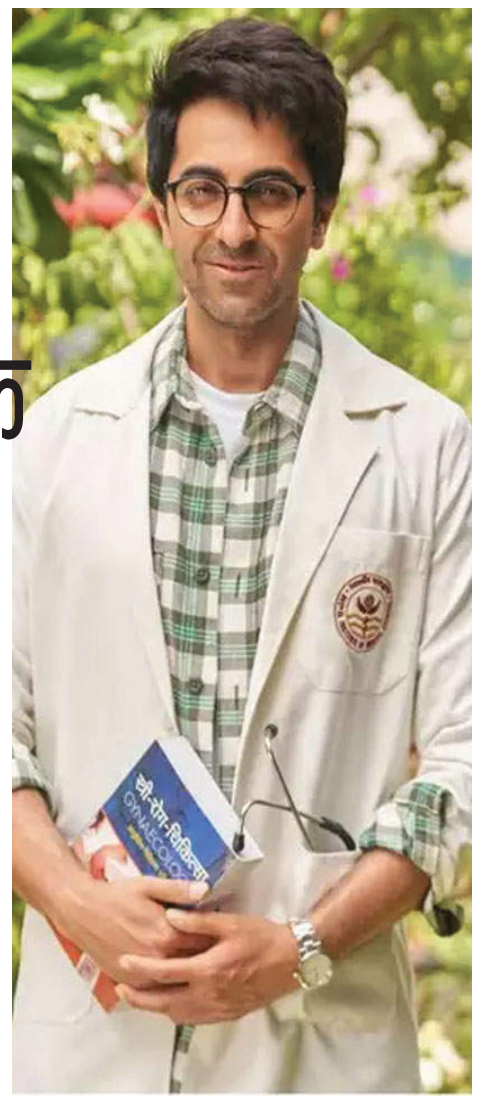

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना जल्द ही फिल्म 'डॉक्टर जी' में नजर आने वाले हैं। इस मेडिकल कैंपस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में आयुष्मान के साथ रकुल प्रीत सिंह नजर आने वाली हैं। बीते दिनों फिल्म से आयुष्मान का फर्स्ट लुक सामने आया था। अब मेकर्स ने 'डॉक्टर जी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। आयुष्मान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का नया पोस्टर साझा किया है। यह फिल्म 14 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए आयुष्मान ने लिखा, 'ज़िंदगी है मेरी गुगली से भरपूर। चाहिये था हड्डी रोग, पर बन गया डॉक्टर जी। अपनी नियुक्तियों के लिए तैयार हो जाइए डॉक्टर जी 14 अक्टूबर 2022 से सिनेमाघरों में अपनी उपस्थिति दर्ज करेगा।' फिल्म को कैंपस कॉमेडी बताया जा रहा है, जिसमें आयुष्मान एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। उनके किरदार का नाम डॉ. उदय गुप्ता है। डॉक्टर जी में शेफाली शाह और शीबा चड्ढा भी अहम भूमिका में हैं। 'डॉक्टर जी' का निर्माण जंगली प्रोडक्शन के बैगर तले किया जा रहा है। इस फिल्म के जरिए अनु?भूति कश्यप निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। बतौर निर्देशक अनुभूति कश्यप की यह पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी अनुभूति कश्यप, सुमित सक्सेना, विशाल वाघ और सौरभ भरत ने लिखी है।

डीप नेक बॉडीकॉन ड्रेस में जाह्नवी कपूर का बोल्ड अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने हॉट और बोल्ड अंदाज से अक्सर इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। फैंस को जाह्नवी का बोल्ड अंदाज काफी पसंद आता है। बीते कुछ समय से जाह्नवी फैंस के साथ अपनी सिजलिंग तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अब एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर की डीप नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की है। इस ड्रेस जाह्नवी काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। उनका बोल्ड अंदाज देख लोगों के पसीने छूट गए हैं। जाह्नवी ने अपने बालों को हाई कवर कर बन के साथ स्टाइल किया है। वहीं कानों में लॉन्ग इयररिंग पहनी है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर अपने क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए नजर आ रही हैं। जाह्नवी हर तस्वीर में अपनी अलग अदा दिखाती दिख रही हैं। तस्वीरों में उनकी खूबसूरती देखकर फैंस उनसे नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। जाह्नवी का यह बोल्ड अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस अपने फैशन लुक्स के कारण हमेशा ही लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। जाह्नवी इंडियन आउटफिट से लेकर वेस्टर्न आउटफिट तक सभी में कहर ढाती हैं। जाह्नवी जल्द ही 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और 'बवाल' जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

विदेश से लौटकर न्यासा देवगन ने मुंबई में की पार्टी

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन को अक्सर उनके बी टाउन फ्रेंड्स के साथ स्पॉट किया जाता है। उनकी पार्टी की फोटो भी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। अब हाल ही में न्यासा को पार्टी करते हुए मुंबई में स्पॉट किया गया। यहां वो अपने बी-टाउन फ्रेंड जाह्नवी कपूर और ओरहान अवात्रामणि के साथ नजर आईं। ओरहान ने इंस्टाग्राम पर पार्टी की तस्वीरें शेयर की, जिसमें स्टार किड्स मस्ती करते दिख रहे हैं। पार्टी में न्यासा ने ब्लू कलर का टॉप पहना था और उसे डेनिम स्कर्ट के साथ पेयर किया था। वहीं जाह्नवी ने पार्टी के लिए ब्लैक मिनी ड्रेस पहनी थी। जाह्नवी और न्यासा को कुछ दिनों पहले ही एम्सटर्डम में स्पॉट किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, न्यासा पार्टी की भी शौकीन हैं, जहां वो एक रेस्टोरेंट में अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए नजर आए थे। जाह्नवी पहले से ही एक स्टार हैं, वहीं फैंस न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 की शूटिंग हुई शुरू

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज के राइज का क्रेज दर्शकों में अभी भी बरकरार है। फैंस फिल्म के सीक्वल का इंतजार बड़ी बेसब्री से कर रहें हैं। ऐसे में पुष्पा के फैंस के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पर पूजा सेरेमनी की फोटो शेयर की है, जिस पर उन्होंने 'लेस्ट गो' लिखकर अपनी जाहिर की है। कुछ दिन पहले एक्टर ने अपनी फोटो शेयर की थी, जिसके बाद फैंस ने अंदाजा लगाया कि अल्लू अर्जुन का यह नया लुक पुष्पा 2 के लिए ही होगा। माना जा रहा है कि फिल्म के सीजन 2 में दर्शकों को दमदार एक्शन मिलेगा, ऐसे में फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

व्हील चेयर पर योगा करती दिखीं शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में शिल्पा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो वील चेयर पर बैठी योगा करती हुई नजर आ रही हैं । योग शुरू करने से पहले शिल्पा बोलती हैं, 'पैर टूटा है पर हौसला नहीं, योग से ही होगा।' शिल्पा का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, रोहित शेट्टी की वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' की शूटिंग के दौरान उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था जिसके बाद उनके पैर में प्लास्टर लगा हुआ है। इस वीडियो को देखने को बाद हर कोई उनके इस जज्बे की तारीफ कर रहा है।

काटे बाल, जलाए हिजाब, महसा अमिनी की मौत के बाद ईरान में महिलाओं का महा-प्रदर्शन

जिस वक्त 22 बरस की महसा अमिनी को सुपर्द-ए-खाक किया जा रहा था। उसी वक्त ईरान की महिलाएं हिजाब उतारकर महसा की हत्या पर विरोध जता रही थीं। ईरान के तेहरान में महसा अमिनी को हिजाब नहीं पहनने के जुर्म में इतना मारा की इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। ईरानी सरकार के इस तानाशाही के खिलाफ ईरान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने बिना हिजाब के सड़कों पर प्रदर्शन किया और विरोध में हिजाब को आग के हवाले किया। तेहरान में महिलाओं के हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हिजाब को जला दिया। इसके साथ ही महिलाओं ने सिर के बाल भी काटे। ईरानी राष्ट्रपति ने महसा की मौत के जांच के आदेश दिए हैं। 22 साल की महसा अमिनी की मौत से ये महिलाएं गुस्से में हैं। महसा पश्चिमी ईरान में साकेज की रहने वाली थीं। वह परिवार से मिलने 13 सितंबर को तेहरान आई थीं। वह हिजाव के खिलाफ थी, इसलिए उन्होंने उसे नहीं पहना था। पुलिस ने महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन वाद 16 सितंबर को उनकी मौत हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि गिरफ्तारी के वक्त महसा पूरी तरह ठीक थी। उन्हें पुलिस की गाड़ी में बेरहमी से पीटा गया। कुछ घंटे बाद परिवार को बताया गया कि महसा को दिल का दौड़ा आया और वो आईसीयू में हैं। ईरान की पुलिस ने पिटाई की बातों से इनकार किया। 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद से महिलाओं को अपने सिर और गर्दन को ढकने और अपने बालों को छुपाने के लिए कानून द्वारा बाध्य किया गया है। हालांकि, पिछले दो दशकों में, तेहरान और ईरान के अन्य प्रमुख शहरों में अधिक से अधिक महिलाएं विरोध के रूप में अपने बालों को अपने नकाब के बाहर रख रही हैं। हाल ही में, कुछ महिलाएं ऐसी तस्वीरें साझा कर रही हैं जो उन्हें हिजाब नियमों के विरोध में सिर पर स्कार्फ़ उतारती दिख रही हैं।

क्वीन एलिजाबेथ की अंतिम विदाई, 125 सिनेमा हॉल में लाइव प्रसारण

यूनाइटेड किंगडम की सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को सोमवार को उनके राजकीय अंतिम संस्कार के लिए लंदन के वेस्टमिंस्टर एबे ले जाया गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 8 सितंबर को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के लिए कई देशों के राजनीतिक प्रमुखों से लेकर शाही परिवार के अलग-अलग सदस्यों और दुनिया भर के गणमान्य लोग ब्रिटेन पहुंचे। 1965 में विंस्टन चर्चिल के बाद ब्रिटेन में महारानी का अंतिम संस्कार पहला राजकीय अंतिम संस्कार है। राजकीय अंतिम संस्कार का अर्थ है कि यूके सरकार ने आधिकारिक तौर पर अंतिम संस्कार के दिन को बैंक अवकाश घोषित कर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 17 सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लंदन पहुंचीं और भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त की। लंदन में महारानी एलिजाबेथ II को अंतिम विदाई देने के लिए पूरा ब्रिटेन उमड़ पड़ा है। यहां आम जिंदगी पूरी तरह से थम गई है। पार्लियामेंट क्वायर से विक्टोरिया स्ट्रीट तक जहां तक देखों वहां लोग नजर आ रहे हैं। ब्रिटेन के लोग सबसे ज्यादा शासन करने वाली महारानी की आखिरी झलक पाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। वहीं, दुनियाभर से 2000 वीवीआईपी महारानी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। देशभर के 125 सिनेमा हॉल में महारानी के अंतिम संस्कार का लाइव प्रसारण किया जाएगा। क्या मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूँ? आपको क्या चाहिए?' और फिर भी, 'सुनिश्चित करें कि आप वही करते हैं जो आप करने वाले हैं,' बिडेन ने कहा कि उसने उसे उसकी माँ की याद दिला दी।

अब न्यूयॉर्क शहर हो जाता है रात 10 बजे तक बंद

न्यूयॉर्क ।कोरोना महामारी और आर्थिक संकट के चलते न्यूयॉर्क शहर मैं रात 10 बजे के बाद सन्नाटा छा जाता है ।कभी 24 घंटे वाले चलने वाले इस शहर की रौनक अब खत्म हो गई है ।न्यूयॉर्क शहर 10 बजे रात के बाद जागता था ।सारी रात यहां पर गहमागहमी रहती थी ।रेस्टोरेंट्स,बार, नाइटक्लब, पूल, गेम्स, कैफिटेरिया, और जिम रात में जल्द बंद होने लगे हैं ।पहले यह रात तक खुले रहते थे ।रात में चलने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या पहले जैसे नहीं रही। कोरोना महामारी के बाद न्यूयॉर्क शहर को जैसे किसी की नजर लग गई हो। कोरोना वायरस से निजात पाई,तो आर्थिक मंदी और बेरोजगारी ने घेर लिया, न्यूयॉर्क में देर रात लूटपाट की घटनाएं और नशे में चूर नशेडियों के कारण अब न्यूयॉर्क शहर की रात की रौनक एक तरह से खत्म हो गई है ।रात की शिफ्ट में बेरोजगार होने के बाद भी कर्मचारी काम नहीं करना चाहते हैं।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस घर में नजरबंद

काठमांडू । नेपाल सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शैलेंद्र शमशेर राणा,घर में नजरबंद कर दिए गए हैं ।उनके घर के सामने बड़ी मात्रा में पुलिस तैनात कर दी गई है ।सुप्रीम कोर्ट नहीं जाने दिया गया। 13 फरवरी को नेपाली कांग्रेस, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी, यूनिफाइड सोशलिस्ट पार्टी के 98 सांसदों ने मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए थे ।महाभियोग में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और सरकार में हिस्सेदारी सहित 21 आरोप लगाए गए थे ।फरवरी माह में उन्हें निलंबित कर दिया गया था। महाभियोग प्रस्ताव संसद में पारित नहीं हो पाया, और सरकार का आखरी संसद सत्र भी समाप्त हो गया ।नवंबर में संसद के चुनाव होना है ।उसके बाद मुख्य न्यायाधीश अपनी ड्यूटी ज्वाइन करने सुप्रीम कोर्ट जाने वाले थे ।इसी बीच उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया ।उनके घर पर कड़ा पहरा लगा दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सरकार की इस कार्यवाही को गैर जिम्मेदाराना रवैया बताया है ।उन्होंने कहा संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित नहीं हुआ है ।अत : उन्हें काम करने से रोका नहीं जाना चाहिए ।नेपाल सरकार का न्यायपालिका में बढ़ता दखल नेपाल में चर्चाओं में बना हुआ है ।इसका असर आगामी चुनाव में भी देखने को मिल सकता है।

यूक्रेन में रूस के सीमावर्ती क्षेत्रों में अब भी पड़े हैं सैकड़ों शव

मास्को (। यूक्रेन-रूस जंग के चलते 6 महीने से ज्यादा हो गया है पर युद्ध अभी जारी है। ऐसे में रूस के कब्जे वाले सीमावर्ती इलाके में इस महीने यूक्रेनी बलों ने एक बड़ी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद युद्ध क्षेत्र पर, खेतों में और जले हुए टैंकों में अब भी शव पड़े हुए हैं। यूक्रेन के पश्चिमोत्तर हिस्से पर रूस के कई महीनों के कब्जे के बाद, रूसी सेना को वापस सीमा पार धकेल दिया गया, लेकिन रूस की ओर से इस इलाके में अब गोलाबारी जारी है। गोलाबारी के बावजूद जवानों का एक समूह ऊबड़-खाबड़ एवं कीचड़ से भरे मार्ग से उस क्षेत्र पर जाने में सफल रहा, जहां यूक्रेनी बलों के शव पड़े हैं। इन शवों का पता ड्रोन के जरिए चला था। दोनों पक्षों के जवानों एवं आम नागरिकों के शवों की तलाश कर रहे 'नेशनल गार्ड' के कमांडर विताली ने कहा, 'यह जोखिम भरा काम है। हम अपनी जान जोखिम में डालते हैं क्योंकि किसी भी समय रूस की ओर से गोलेबारी हो सकती है।' सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए कमांडर ने अपना पूरा नाम नहीं बताया। शवों की तलाश कर रहे दल घटनास्थल का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं और शवों के अवशेषों को एकत्र कर रहे हैं।
विताली ने बताया कि इन शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा, घटनास्थल की विस्तृत जानकारी रिकॉर्ड करके जांचकर्ताओं को भेजी जाएगी, जो संभावित युद्ध अपराधों की जांच करेंगे। रूसी सीमा से दो किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित कोजाचा लोपान गांव को यूक्रेनी बलों ने 11 सितंबर को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। विताली ने कहा कि अधिकारियों के अनुसार, यहां एक अस्थायी जेल थी, जहां कैदियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था और उनका दल इसके संभावित पीड़ितों की कब्रों की भी तलाश कर रहा है। अस्थायी जेल में कैदियों के साथ रूसी बलों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने के आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। जहां से रूसी बलों को खदेड़ा गया है, वहां कुछ कब्रें मिली हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि खासकर इजियुम में शहर के कब्रिस्तान के निकट 440 से अधिक कब्र मिली हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि इन कब्रों में सैनिकों के अलावा आम नागरिकों एवं बच्चों के शव हैं, जिन पर उनका उत्पीड़न किए जाने के निशान हैं। भीषण युद्ध का गवाह बने इस सीमावर्ती क्षेत्र के गांवों में युद्ध के विनाशकारी निशान दिखाई देते हैं, घरों पर बमबारी किए जाने और उन्हें जलाए जाने के निशान हैं, मोर्टार के गोलों के कारण सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, सड़क के किनारे टूटी कारें पड़ी हैं। रूसी बलों को खदेड़े जाने के कुछ दिन बाद स्थानीय लोग यह देखने के लिए लौट गए हैं कि उनके घरों में क्या बचा है।

पाकिस्तान के हैदराबाद में आई बाढ़ से प्रभावितों के लिए बने अस्थायी शिविर।

पाकिस्तान में आई बाढ़ से फैल सकती हैं जल जनित बीमारियां : गेब्रेयेसस

इस्लामाबाद। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विनाशकारी बाढ़ के मद्देनजर पाकिस्तान में जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका व्यक्त की है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने अपने एक बयान में कहा है कि पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और इससे हैजा और अन्य बीमारियां हो सकती हैं। डब्ल्यूएचओ ने पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों और खासकर सिंध प्रांत के लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। टेड्रोस ने कहा कि ठहरा हुआ पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है, जिससे मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते देश के लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। बीते बुधवार को बाढ़ के संकट के बीच संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कोऑर्डिनेटर जूलियन हार्निस ने बुधवार को कहा था कि दक्षिण एशियाई देश को मिली 150 मिलियन डॉलर की विदेशी सहायता में से केवल 38.35 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि को सहायता में बदला गया है। बाढ़ से त्रस्त इस देश में मानवीय राहत की मांग बहुत अधिक है, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण उचित धन जमीन तक नहीं पहुंच पा रहा है। इस बीच, जूलियन हार्निस ने कहा कि भारी धन मिलने के बावजूद पाकिस्तान के कई प्रांतों में स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान में 160 मिलियन डॉलर की फ्लैश अपील पर्याप्त नहीं होगी। वह सरकार और अन्य भागीदारों के साथ चर्चा कर रहे हैं, इसके बाद फ्लैश अपील में संशोधन करेंगे। हार्निस ने कहा कि पाकिस्तान सरकार और संयुक्त राष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई फ्लैश अपील वर्तमान में छह महीने के लिए है, और यह सिर्फ छह मिलियन लोगों के लिए पर्याप्त है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री समेत अन्य के खिलाफ 50 मामले जवाबदेही अदालतों ने एनएबी को भेजे

कीव (एजेंसी)।

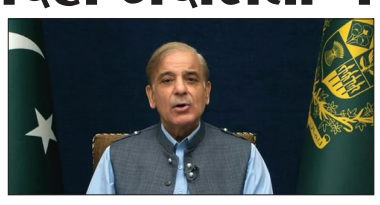

पाकिस्तान की जवाबदेही अदालतों ने भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को बड़ी राहत देते हुए शहबाज समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ भ्रष्टाचार के 50 बड़े मामले राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो को लौटा दिए हैं। शहबाज, उनके बेटे और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री हमजा शहबाज, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ भी जवाबदेही अदालतों ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को मामले वापस भेज दिए हैं।
'जियो न्यूज' ने बताया कि एनएबी कानूनों में संशोधन के अनुरूप राहत प्रदान की गई है। शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ रमजान चीनी मिल का संदर्भ भी वापस भेजे गए मामलों में से है। फरवरी 2019 में, एनएबी ने शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ भ्रष्टाचार का यह मामला दर्ज किया था। भ्रष्टाचार रोधी शीर्ष निकाय ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, शहबाज ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अपने बेटों के स्वामित्व वाली रमजान चीनी मिल के संबंध में अनियमितताएं कीं। एनएबी ने आरोप लगाया कि दोनों संदिग्धों ने ''धोखाधड़ी और बेईमानी से'' राष्ट्रीय खजाने को 21.3 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 948,565 डॉलर) का नुकसान पहुंचाया। इसी तरह, एक जवाबदेही अदालत ने नेशनल असेंबली के स्पीकर के खिलाफ छह रेंटल पावर प्लांट (आरपीपी) के मामले एनएबी को वापस भेज दिए। ब्यूरो ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सरकार के दौरान जल और बिजली मंत्री रहते हुए अशरफ ने इन परियोजनाओं के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया था। पीपीपी सांसद यूसुफ रजा गिलानी के खिलाफ यूनिवर्सल सर्विसेज फंड (यूएसएफ) का मामला भी वापस कर दिया गया। मामले में उन पर अवैध प्रचार अभियान में पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया था। एनएबी नियमों में संशोधन के बाद मोदरबा घोटाले और कंपनी धोखाधड़ी के मामलों को भी जवाबदेही अदालतों से वापस ले लिया गया है। संघीय सरकार के एक सूत्र ने शनिवार को खुलासा किया कि लगभग सभी ऐसे मामले प्रधानमंत्री शहबाज के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से जुड़े लोगों से संबंधित हैं। सूत्र ने कहा कि यह संभावना नहीं है कि नए एनएबी प्रमुख भ्रष्टाचार के इन मामलों को भ्रष्टाचार रोधी संस्था जैसे अन्य मंचों पर भेजेंगे। नए एनएबी प्रमुख को शहबाज और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज द्वारा नियुक्त किया गया था। सूत्र ने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि भ्रष्टाचार के ये संदर्भ बंद किए जा रहे हैं, क्योंकि एनएबी उन्हें कार्रवाई के लिए संबंधित कानूनी मंचों पर भेजने में कोई जल्दी नहीं दिखा रहा है। संपर्क करने पर एनएबी के प्रवक्ता नदीम खान ने कहा, ''ऐसे सभी मामलों का फैसला कानून के मुताबिक किया जाएगा।'' एनएबी, पंजाब के पूर्व निदेशक फारूक हमीद ने इससे पहले 'डॉन' अखबार से कहा कि सरकार के लिए बेहतर होता कि ब्यूरो को बदनाम करने के लिए इस तरह के कानून को पेश करने के बजाय इसे बंद कर दिया जाता। उन्होंने कहा, ''भ्रष्ट कुलीन वर्ग की जवाबदेही तय करना अब असंभव है। सरकार को एनएबी के लिए बजट में अरबों रुपये क्यों आवंटित करने चाहिए, जब उसने इस बात को सुनिश्चित करने के लिये कानून में बदलाव लाए हैं कि भ्रष्टाचारियों द्वारा लूटे गए अरबों रुपये वसूल नहीं किये जा सकें।'' अगस्त में, नेशनल असेंबली ने राष्ट्रीय जवाबदेही (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2022 पारित किया, जिसमें निजी लेन-देन को एनएबी के दायरे से बाहर करने का प्रयास किया गया। संशोधित विधेयक के तहत, एनएबी का आर्थिक क्षेत्राधिकार केवल बड़े घोटालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तय किया गया।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि दी

लंदन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लंदन के वेस्टमिंस्टर हॉल में ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को भारत सरकार और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने मुर्मू की एक वीडियो क्लिप के साथ ट्वीट किया, 'राष्ट्रपति ने दिवंगत महारानी को अपनी ओर से और भारत के लोगों की ओर से श्रद्धांजलि दी।' यह हॉल संसद भवन परिसर के अंदर स्थित है। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को वेस्टमिंस्टर एबे में एलिजाबेथ द्वितीय की राजकीय अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए लंदन में हैं। उन्होंने यहां रविवार को भारत सरकार की ओर से एक शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। लंदन के लैंकेस्टर हाउस में राष्ट्रपति मुर्मू के साथ कार्यवाहक उच्चायुक्त सुजीत घोष भी मौजूद थे। यहां पहुंच रहे विश्व के नेता महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए एक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। एलिजाबेथ द्वितीय का 96 वर्ष की आयु में आठ सितंबर को स्कॉटलैंड में निधन हो गया था। मुर्मू ने रविवार को वेस्टमिंस्टर हॉल में दिवंगत महारानी को श्रद्धांजलि दी, जहां एलिजाबेथ द्वितीय का पार्थिव शरीर रखा गया है। महारानी की सोमवार को राजकीय अंत्येष्टि की जाएगी। भारतीय राष्ट्राध्यक्ष शनिवार शाम लंदन पहुंचीं। महारानी की अंत्येष्टि में दुनियाभर के शाही परिवार के सदस्यों समेत विश्व के करीब 500 नेता शामिल होंगे। अंतिम संस्कार की रस्म वेस्टमिंस्टर एबे में की जाएगी, जहां करीब 2,000 लोगों के उपस्थित रहने की संभावना है। शोक कार्यक्रम स्थानीय समयानुसार सुबह पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा और एक घंटे बाद दो मिनट का मौन रखे जाने के साथ संपन्न हो जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू को रविवार शाम महाराजा चार्ल्स द्वितीय और क्वीन कॉन्सर्ट कैमिला द्वारा बकिंघम पैलेस में विश्व के नेताओं के लिए आयोजित एक स्वागत कार्यक्रम में भी आमंत्रित किया गया है। इस 'आधिकारिक राजकीय कार्यक्रम' में ब्रिटेन आ रहे सभी राष्ट्राध्यक्षों और आधिकारिक विदेशी अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। ब्रिटेन के शाही परिवार के लिए 2009 से 2012 तक सेवा देने वाले जाकी कूपर का मानना है कि महारानी के भारत के साथ स्नेहपूर्ण संबंध थे और उन्होंने साम्राज्य से राष्ट्रमंडल तक के सफर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र भाग लेने न्यूयॉर्क पहुंचे विदेशमंत्री जयशंकर

न्यूयार्क (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र के लिए पहुंच गए हैं। इस यात्रा पर वह द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों सहित 50 से अधिक आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए यहां आए हमारे विदेश मंत्री जयशंकर का स्वागत करके खुशी हुई। वह इस सप्ताह के दौरान कई द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सप्ताह शुरू हो रहे उच्च स्तरीय सत्र में भारत मुख्य रूप से आतंकवाद पर अंकुश, शांति रक्षा, जलवायु परिवर्तन रोकने संबंधी कार्यक्रम और कोविड-19 टीके का समान वितरण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा।
वह अल्बानिया, माल्टा, मिस्र और इंडोनेशिया के अपने समकक्षों, संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र के अध्यक्ष साबा कोरोसी और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों के साथ अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं। वह फ्रांस-भारत-संयुक्त अरब अमीरात त्रिपक्षीय बैठक में भी हिस्सा लेने वाले हैं। जयशंकर की 18 से 28 सितंबर की अमेरिकी यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के बाद वाशिंगटन डीसी की भी एक यात्रा शामिल होगी जबकि न्यूयॉर्क में वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात करने वाले हैं। वह जी20 और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं।

बाइडेन के बयान के बाद भड़का ड्रैगन, कहा- दुनिया में है केवल एक चीन और ताइवान उसका हिस्सा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने ताइवान के मुद्दे को लेकर अमेरिका पर करारा हमला बोला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन राष्ट्र को अलग करने वाली गतिविधियों के जवाब में सभी आवश्यक उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। हम शांतिपूर्ण तरीके से ताइवान को शामिल करने की पूरी कोशिश करेंगे। इसके साथ ही माओ निंग ने साफ किया कि अलगाव के उद्देश्य से किसी भी गतिविधि को चीन बर्दाश्त नहीं करेगा।
चीन ने अमेरिका से ताइवान से संबंधित मुद्दों को 'सावधानीपूर्वक और ठीक से' डील करने का आग्रह भी किया। इसके साथ ही माओ ने ताइवान की स्वतंत्रता के प्रयास के लिए अलगाववादी ताकतों को गलत संकेत नहीं भेजने की बात करते हुए कहा कि अमेरिका को चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान में शांति को गंभीर रूप से नुकसान नहीं पहुंचाने की चेतावनी भी दी। माओ ने कहा कि दुनिया में केवल एक चीन है, ताइवान चीन का हिस्सा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार चीन की एकमात्र वैध सरकार है।
बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि यदि चीन ताइवान पर हमला करने की कोशिश करता है, तो अमेरिकी बल उसकी रक्षा करेंगे। चीन इस स्वशासित द्वीप पर अपना दावा करता है। समाचार चैनल 'सीबीएस न्यूज' पर प्रसारित '60 मिनट्स' कार्यक्रम के दौरान एक साक्षात्कार में बाइडन से पूछा गया कि ''यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या अमेरिकी बल, अमेरिकी पुरुष एवं महिलाएं उसकी रक्षा करेंगे।'' इसके जवाब में बाइडन ने ''हां'' कहा।

चीनी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की 'विदेशियों को मत छुओ, मंकीपॉक्स हो जाएगा', टिप्पणी पर बवाल

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी की एक टिप्पणी पर बवाल कट गया है। अधिकारी ने स्थानीय नागरिकों को चेताते हुए मंकीपॉक्स से बचने के लिए विदेशियों और हाल ही में विदेश से लौटे नागरिकों के संपर्क में नहीं रहने को कहा है। उनकी इस टिप्पणी को नस्लवादी और भेदभावकारी बताते हुए सोशल मीडिया पर इसका काफी विरोध किया जा रहा है। चीन के चोंगक्विंग शहर में शुक्रवार को मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया था। विदेश से आए इस शख्स को क्वारंटीन में रखा गया था लेकिन क्वारंटीन में रहते हुए उनके शरीर पर लाल चकत्ते नजर आने लगे। इसके बाद चीन के शीर्ष महामारी विशेषज्ञ वु जुनयो ने स्थानीय लोगों को मंकीपॉक्स से बचने के लिए विदेशियों और हाल ही में विदेश से लौटे नागरिकों के संपर्क में नहीं आने को लेकर चेतावनी दी है।
चाइनीज फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य महामारी विशेषज्ञ वु ने कहा, संभावित मंकीपॉक्स संक्रमण से बचने के लिए विदेशियों और बीते तीन हफ्तों के भीतर विदेश से लौटे लोगों के संपर्क में नहीं आने की सलाह दी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने लोगों से अजनबियों के भी संपर्क में नहीं रहने को कहा है। होटलों सहित सार्वजनिक शौचालयों में डिस्पोजेबल शौचालय सीट का इस्तेमाल करने को कहा है। चीन के कई इंटरनेट यूजर्स ने वु के इन सुझावों पर आपत्ति जताई है। कुछ यूजर्स ने इन्हें नस्लवादी और भेदभावकारी बताया है। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वेबो पर एक यूजर ने कहा, यह कितना नस्लवादी है? ऐसे लोगों के बारे में क्या, जो लगभग दस सालों से चीन में रह रहे हैं। सीमाएं बंद होने की वजह से बीते तीन से चार सालों से हम हमारे परिवारों से नहीं मिले हैं।
एक अन्य यूजर ने कहा कि वु के सुझाव पूरी तरह से अनुपयुक्त हैं। उन्होंने कहा, हमारे कितने सारे विदेशी दोस्त हैं, जो चीन में काम करते हैं। महामारी की शुरुआत में कुछ विदेशी दोस्त ही थे, जिन्होंने सोशल मीडिया के जरिए सभी को बताया था कि चीन के लोग यह वायरस नहीं फैला रहे हैं। यूजर ने कहा कि जब विदेशी लोगों के साथ देश में भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है तो हम चीनी

लोगों को मूकदर्शक बनकर नहीं रहना है। एक अन्य यूजर ने कहा, क्या वह सेक्सुअल रिलेशनशिप का हवाला दे रहे हैं या सिर्फ त्वचा के संपर्क में आने से बचने का। मुझे लगता है कि वह सेक्शुअल रिलेशनशिप का हवाला दे रहे हैं। लेकिन विदेशी मेहमान से मिलने पर उनसे हाथ मिलाने से बचा नहीं जा सकता। बस में भी किसी की त्वचा के संपर्क में आने से बचना मुश्किल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सीबीआई ने शिक्षक भर्ती घोटाले में उत्तर बंग विश्वविद्यालय के कुलपति को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को उत्तर बंग विश्वविद्यालय (एनबीयू) के कुलपति सुबीरेश भट्टाचार्य को पश्चिम बंगाल में 2016 में सहायक शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल केंद्रीय स्कूल सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भट्टाचार्य को कोलकाता में सीबीआई कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। अधिकारियों ने कहा कि पूछताछ में सहयोग नहीं करने के कारण सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। भट्टाचार्य 2014-18 तक आयोग के अध्यक्ष थे। अधिकारियों ने बताया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर सीबीआई ने जांच शुरू की थी। आरोप है कि आयोग के तत्कालीन सलाहकार एस पी सिन्हा ने अन्य लोगों के साथ मिलकर 2016 में आयोग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चयन परीक्षा में कक्षा नौवीं और 10 वीं के लिए सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में अयोग्य, गैर-सूचीबद्ध और निचले रैंक वाले उम्मीदवारों को अनुचित लाभ दिया था। सीबीआई ने हाल में सिन्हा को हिरासत में लिया था, जो एक अलग प्राथमिकी के संबंध में पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे। सीबीआई ने इस साल सात अप्रैल को दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि आरोपियों ने कथित तौर पर आयोग के नियमों का उल्लंघन किया और योग्य तथा वास्तविक उम्मीदवारों को सहायक शिक्षक के रूप में नियुक्ति से वंचित कर दिया।

उत्तराखंड में भारत-नेपाल के बीच काली नदी पर मोटर पुल का शिलान्यास

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में भारत-नेपाल के बीच काली नदी पर बनने वाले 110 मीटर लंबे दो लेन के मोटर पुल का शिलान्यास किया। यह 110 मीटर लंबे पुल की चौड़ाई 10.50 मीटर होगी और इसके दोनों तरफ फुटपाथ होगा। उत्तराखंड में भारत-नेपाल सीमा पर टनकपुर के बाद यह दूसरा मोटर सेतु होगा। इस सेतु पर छोटे-बड़े सभी प्रकार के वाहन चल सकेंगे जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। धारचूला के मल्ला छारछुम में 32.98 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल का शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सेतु बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इसके बनने से भारत-नेपाल के बीच आवागमन सुगम होगा, व्यापार बढ़ेगा, रोजगार में वृद्धि होगी तथा आपसी संबंध और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि यह सेतु एक वर्ष के भीतर बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को इस पुल का निर्माण गुणवत्ता के साथ तेजी से करने के निर्देश देते हुए कहा कि पुल की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। धामी ने पुल के शिलान्यास पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जिस काली नदी के किनारे पैदा होकर उन्हें बड़े होने का सौभाग्य मिला, उस नदी पर बन रहे पुल की स्वीकृति भी उनके हाथों से ही हुई है। उन्होंने कहा कि पुल के बनने से भारत और नेपालके बीच रोटी-बेटी का संबंध और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में संचार सहित अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम हो रहा है और निश्चित रूप से अगला दशक उत्तराखंड का होगा।

दशहरा रैली : शिवाजी पार्क में रैली को लेकर आमने-सामने शिवसेना के दोनों गुट

मुंबई। उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को यहां बांद्रा कुर्ला परिसर (बीकेसी) में रैली करने की मंजूरी मिलने के बाद अब उनके लिए मुंबई के शिवाजी पार्क में अपनी वार्षिक दशहरा रैली की अनुमति प्राप्त करना आसान होगा। शिवसेना के सांसद एवं प्रवक्ता अरविंद सावंत ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि शिंदे समूह को बीकेसी के एमएमआरडीए मैदान में रैली करने की अनुमति देते समय ''पहले आओ-पहले पाओ'' के सिद्धांत को लागू किया गया। एमएमआरडीए मैदान पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' से मामूली दूरी पर स्थित है। प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुटों ने प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में रैली आयोजित करने दावा किया है। दोनों पक्षों ने अगले माह दशहरा के मौके पर वहां रैली करने के लिए अनुमति मांगी है। शिंदे गुट को बीकेसी में रैली के लिए अनुमति मिल गई है, लेकिन बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) द्वारा अभी तक शिवाजी पार्क मैदान के संबंध में कोई निर्णय नहीं किया गया है। सावंत ने कहा, '' अब हमारे लिए (शिवाजी पार्क में रैली की अनुमति) आसान होगा। उन्हें (शिंदे गुट को) पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर अनुमति मिली है। शिवाजी पार्क के संदर्भ में भी यही सिद्धांत लागू होना चाहिए।'' शिवसेना के गठन के बाद से ही शिवाजी पार्क में पार्टी द्वारा हर साल वार्षिक दशहरा रैली का आयोजन किया जाता है। इस साल की रैली उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री शिंदे दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी है, क्योंकि दोनों ने ही शिवसेना को लेकर अपने-अपने दावे पेश किए हैं।

तीन दशक बाद कश्मीर घाटी के लोग बड़ी स्क्रीन पर देखेंगे फिल्में

नई दिल्ली । दशकों के लंबे इंतजार के बाद कश्मीर घाटी के लोगों के लिए फिर से बड़े पर्दे पर फिल्में देखना संभव होगा। 1 अक्टूबर से जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में पहला मल्टीप्लेक्स स्थानीय लोगों के लिए खोला जाएगा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा 20 सितंबर को आमिर खान और करीना कपूर खान स्टारर लाल सिंह चड्ढा फिल्म की स्क्रीनिंग के साथ मल्टीप्लेक्स का उद्घाटन करेंगे। हालांकि आम लोगों को पहली फिल्म बड़े पर्दे पर देखने के लिए महीने के अंत तक इंतजार करना होगा। थिएटर के मालिक विकास धर ने कहा, हम विक्रम वेधा के वर्ल्ड प्रीमियर का हिस्सा बनना चाहते हैं और इसके साथ हम अपने थिएटर को आम जनता के लिए खोलेंगे। उन्होंने बताया कि इसमें युवाओं और बच्चों को सबसे आधुनिक सिनेमा मनोरंजन का अनुभव प्रदान करने के अलावा कई फूड कोर्ट होंगे। पहले मल्टीप्लेक्स सिनेमा का उद्घाटन स्थानीय लोगों के मनोरंजन के लिए एक नया अध्याय होने जा रहा है। आईनॉक्स द्वारा डिजाइन किया गया, 520 की बैठने की क्षमता वाला मल्टीप्लेक्स, तीन दशकों के बाद कश्मीर में पहला सिनेमाघर होगा। थिएटर में तीन स्क्रीन होंगी और रोजाना मल्टीप्लेक्स के मालिक विकास धर, विजय धर के बेटे हैं, जो श्रीनगर में प्रतिष्ठित ब्रॉडवे थिएटर के मालिक थे। ब्रॉडवे थिएटर 1990 के दशक के मध्य में एक आग की घटना में जल गया था। वह कश्मीर में सबसे बड़ा शैक्षिक समाज चलाते हैं जो फ्रेंचाइजी स्कूल भी चलाता है। विजय धर ने कहा, 'मेरे परिवार में और हमारे खून में मनोरंजन है और 1990 में कनेक्शन टूट गया था, लेकिन सिनेमा के फिर से खुलने और स्थानीय बच्चों को बहुत जरूरी मनोरंजन के साथ मदद करने से कनेक्शन नए सिरे से बनेगा। निजी सिनेमा हॉल के अलावा, जम्मू-कश्मीर सरकार ने नई मनोरंजन नीति के हिस्से के रूप में केंद्र शासित प्रदेश में बहुउद्देश्यीय बड़े स्क्रीन थिएटर स्थापित करने की परियोजना भी शुरू की है। एलजी मनोज सिन्हा ने रविवार को पुलवामा और शोपियां के जुड़वां दक्षिण कश्मीर जिलों में बहुउद्देशीय सिनेमा हॉल का उद्घाटन किया, जबकि अनंतनाग, श्रीनगर, बांदीपोरा, गांदरबल, डोडा, राजौरी, पुंछ, किश्तवाड़ और रियासी में इसी तरह के सिनेमा हॉल का उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा।

1989 में कश्मीरी पंडित की हत्या के मामले में जांच की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 1989 में एक कश्मीरी पंडित की हत्या के मामले में जांच के अनुरोध वाली याचिका को विचारार्थ स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है और याचिकाकर्ता राहत पाने के लिए उच्च न्यायालय में जा सकते हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि उसने हाल में एक ऐसी ही याचिका पर विचार करने से मना कर दिया था। उसने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। पीठ ने कहा, ''आप इसे वापस लेना चाहें तो ले सकते हैं। हमने साफ कर दिया है कि हम दो याचिकाओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकते।' याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने याचिका को इस स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया कि वह कानून में प्रदत्त उचित उपाय अपना सकते हैं। उन्होंने दलीलों के दौरान कहा कि याचिका एक 'बहुत गंभीर मामले' से जुड़ी है और उस व्यक्ति ने दायर की है जिनके पिता टी एल टपलू की 1989 में जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) ने नृशंस हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा, ''वहां जो माहौल था, उसे देखते हुए मैं आज केवल न्याय चाह रहा हूं और कुछ नहीं।''

प्लेन से उतारे गए पंजाब के सीएम भगवंत मान! सुखबीर बादल बोले- पंजाबियों को किया शर्मिंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान फिर से विवादों में पड़ते नजर आ रहे हैं। इस बार उन्हें प्लेन से उतारे जाने का मामला है। दरअसल, पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने भगवंत मान को लेकर एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में सुखबीर बादल ने लिखा कि सह-यात्रियों के हवाले से मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लुफ्थांसा फ्लाइट से उतारा गया क्योंकि वह बहुत नशे में थे और चलने की हालत में भी नहीं थे। इसके साथ ही सुखबीर बादल ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट पंजाबियों को शर्मिंदा करती हैं। अकाली नेता ने दावा किया कि इससे उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई। वह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में नहीं पहुंच सके।

एक अन्य ट्वीट में सुखबीर बादल ने लिखा कि चौंकाने वाली बात यह है कि पंजाब सरकार अपने मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़ी इन खबरों पर चुप है। अरविंद केजरीवाल को इस मुद्दे पर सफाई देने की जरूरत है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत सरकार को कदम उठाना चाहिए क्योंकि इसमें पंजाबी और राष्ट्रीय गौरव शामिल है। यदि उन्हें विमान से उतारा गया था, तो भारत सरकार को अपने जर्मन समकक्ष के साथ इस मुद्दे को उठाना चाहिए। कांग्रेस नेता और पंजाब में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने उन रिपोर्टों की गहन जांच की मांग की कि पंजाब के सीएम भगवंत मान को फ्रैंकफर्ट में उतारा गया था क्योंकि वह कथित तौर पर यात्रा करने की स्थिति में नहीं थे।

कांग्रेस नेता ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से लुफ्थांसा से पूछताछ करने और कारण सार्वजनिक करने के लिए आग्रह किया है। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने लिखा कि भगवंत मान ने वादा केजरीवाल से इंडिया में शराब को हाथ नहीं लगाने का किया था ना कि विदेश में। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) विपक्ष के इन आरोपों का खंडन कर रही है जिसमें दावा किया गया है कि मान को नशे में होने के कारण फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर उतारा गया था। पार्टी ने इसे झूठा और तुच्छ करार दिया है। वहीं, एक चश्मदीद ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री (भगवंत मान) स्पष्ट रूप से नशे में होने के कारण फ्रैंकफर्ट में उतरे थे।

मिग-21 वायु सेना से होंगे रिटायर, अभिनंदन ने इसी पर सवार हो पाक के एफ-16 को किया था नेस्तनाबूत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय वायुसेना में लगातार दुर्घटना के शिकार हो रहे मिग-21 लड़ाकू विमानों की विदाई होने जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि एयरफोर्स 30 सितंबर को अपने मिग-21 फाइटर्स के चार शेष स्क्वाड्रनों में से एक को रिटायर करेगी। श्रीनगर स्थित 51 नंबर की इस स्क्वाड्रन को 'स्वॉर्ड आर्म्स' के रूप में भी जाना जाता है। विंग कमांडर (अब ग्रुप कैप्टन) अभिनंदन वर्धमान ने 27 फरवरी, 2019 को नियंत्रण रेखा पर डॉगफाइट के दौरान पाकिस्तानी एफ-16 को मार गिराया था। इस बहादुरी के लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था, उस समय वह 51वें स्क्वाड्रन में थे।

पाकिस्तान के हवाई हमले का जवाब देने के लिए अभिनंदन ने उड़ान भरी थी। भारत ने 26 फरवरी, 2021 को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकाने पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तानी वायुसेना ने भारत पर हमले की कोशिश की थी, जिसका करारा जवाब भारत ने दिया था। इसी दौरान अभिनंदन वर्थमान पीओके में मिग-21 से गिर गए थे और पाकिस्तानी सेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

भारत के कूटनीतिक दबाव के बाद पाकिस्तान ने दो दिन में ही अभिनंदन को सकुशल वाघा बॉर्डर पर छोड़ा था। दरअसल, मिग-21 एयरक्राफ्ट काफी पुराने हैं और उस पर सवार होने के बाद भी अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-16 को मार गिराने को लेकर अभिनंदन वर्धमान की जमकर तारीफ की गई थी और वह नेशनल हीरो के तौर पर सामने आए थे। मिग-21 विमानों को वायुसेना में 1963 में शामिल किया गया था और विभिन्न किस्म के करीब 900 विमान वायुसेना में शामिल किए गए। अधिकारियों ने बताया कि मिग-21 का बाकी तीन स्क्वाड्रन को 2025 तक हटाया जाएगा। दरअसल, हाल के सालों में कई मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। बीते 6 दशकों में 400 से अधिक विमान दुर्घटना का शिकार हुए हैं, जिनमें करीब 200 पायलटों की मौत हुई है। बार-बार के हादसों के चलते इन्हें उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। पिछले एक दशक में वायुसेना की 5 नई स्क्वाड्रन बनी हैं।

विपक्षी दलों के गठबंधन में नहीं, अपने दम पर अगला लोकसभा चुनाव लड़ेगी आप: केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी (आप) के निर्वाचित प्रतिनिधियों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 2024 के आम चुनाव के लिए पिच तैयार की। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी संदेश दिया कि उनका विपक्षी दलों के साथ गठजोड़ करने का इरादा नहीं है। पार्टी का पूरा फोकस फिलहाल गुजरात विधानसभा चुनाव पर है। अब आम आदमी पार्टी खुद को भाजपा के विकल्प के तौर पर पेश कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने रविवार पार्टी के सदस्यों से 'मेक इंडिया नंबर 1' अभियान के माध्यम से भारत के 130 करोड़ नागरिकों का गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। उन्होंने दावा किया कि गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता ने भाजपा को झकझोर दिया है। पंजाब में जीत के बाद आम आदमी पार्टी दूसरे राज्यों में भी चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने पूरा जोर लगा दिया है। आम आदमी पार्टी कांग्रेस की जगह भाजपा के खिलाफ मुख्य विकल्प के तौर पर अपनी जमीन तैयार कर रही है और पार्टी नेताओं की ओर से भी बार-बार यह कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर वही भाजपा की विकल्प है। दिल्ली में आयोजित निर्वाचित प्रतिनिधियों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में रविवार को यही देखने को मिला। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के संबंध में आप की रणनीति के बारे में सवाल पूछे जाते हैं। मुझे जोड़-तोड़ (गठबंधन और ब्रेक-अप) का गणित समझ में नहीं आता। आम आदमी पार्टी के निशाने पर भाजपा थी। अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष का चेहरा कौन होगा यह सवाल बना हुआ है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम चर्चा में आता है। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी की कोशिश है कि आप पार्टी भाजपा से सीधी लड़ाई लेती हुई दिखाई दे। अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के झूठे मामलों में फंसाकर आप नेताओं के मंसूबों को कुचलने की कोशिश कर रही है। रेवड़ी कल्चर की टिप्पणी पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप की मुफ्त सुविधाओं की यह कहकर आलोचना की जा रही है कि लोगों को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने से देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी। दिल्ली का उदाहरण देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यहां पर फ्री की सेवाएं हैं, लेकिन यहां पर सरकार के ऊपर कोई बोझ नहीं है। कोई बेईमान, भ्रष्ट और गद्दार व्यक्ति ही यह कहेगा कि निःशुल्क सुविधाएं देश के लिए सही नहीं हैं। अगर कोई नेता कहता है कि मुफ्त सुविधाएं देने से देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाएगी तो आपको समझना होगा कि उनके इरादे गलत हैं।

टीएमसी विधायक के बहके बोल, कहा- दो देसी बम फेंककर शांत करा देता हिंसा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी सरकार के बीच खींचतान के बीच कोलकाता में पिछले हफ्ते भाजपा के नबन्ना अभियान (सचिवालय तक मार्च) बुलाया था। इस दौरान पूरे प्रदेशभर से कार्यकर्ता कोलकाता में जमा हुए थे। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ था। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के वाहन जला दिए थे। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर भी हमले के वीडियो सामने आए थे। अब इस मामले में टीएमसी विधायक ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे इस हिंसा को बम फेंककर शांत करा देते। सत्ताधारी टीएमसी विधायक मदन मित्रा ने बताया, 'बैठक में किसी ने कहा कि नबन्ना अभियान के दौरान भाजपा ने कैसे गुंडागर्दी की? मैंने जवाब में कहा, हां उन्होंने किया। मदन मित्रा के मुताबिक, बीजेपी ऐसा इसलिए कर पाई, क्योंकि पुलिस को उन्हें पीटने का आदेश नहीं दिया गया था। हम अब बैठक कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम देख सकते थे कि वहां एक हजार से ज्यादा महिलाएं थीं। हम हम एक बाइक पर दो लड़कों को भेज सकते थे, जो चार बम फेंकते। हिंसा खत्म हो जाती। इससे पहले मदन मित्रा ने कहा था कि पश्चिम बंगाल सचिवालय तक भाजपा के मार्च के दौरान हिंसा और पुलिस पर हमले में शामिल लोगों को ÷सिर्फ दस मिनट में सबक सिखाया जाना चाहिए। मित्रा एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि अगर पार्टी आलाकमान निर्देश देता कि जो लोग गुंडागर्दी और तोड़फोड़ में शामिल हैं, तो उन्हें समझाने और पीटने में 10 मिनट से ज्यादा समय नहीं लगता। मदन मित्रा ने कहा कि हम हमलावरों से दोगुना फोर्स तैनात करके जवाब दे सकते थे। हम एक बाइक पर दो लड़कों को भेज सकते हैं जो चार बम फेंक सकते थे। जिससे भीड़ अलग हो जाती।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव को लेकर हलचल तेज, सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस की भारत जोड़ी यात्रा राहुल गांधी को फिर से शुरू करने का एक और प्रयास प्रतीत होता है। राहुल के तीन साल पहले इस्तीफा देने के बाद, पार्टी अध्यक्ष के चुनाव अगले महीने होने हैं। उन्होंने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह अध्यक्ष नहीं चाहते हैं, यहां तक कि पार्टी एक के बाद एक राज्यों में सत्ता गंवाती जा रही है, गोवा में भी विधायकों में बड़ी फूट देखने को मिली है। ऐसे में सवाल उठता है कि राहुल नहीं तो कौन? शशि थरूर को लेकर पहले ही दावा किया गया है कि कांग्रेस के भीतर पार्टी के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में उतरने पर विचार कर सकते हैं।

इसी क्रम में आज शशि थरूर ने सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात की है। दरअसल, शशि थरूर के कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव लड़ने की चर्चा है। वैसे कांग्रेस पर करीब से नजर रखने वाले थरूर की संभावनाओं को लेकर संशय जता रहे हैं। जिसके पीछे की वजह कांग्रेस के 'गांधी परिवार' के पसंदीदा नहीं हैं क्योंकि उनकी पहचान 'असंतुष्ट' जी 23 समूह से है। वह वास्तव में एक जमीनी संगठन के व्यक्ति नहीं हैं और न ही राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंदी बेल्ट से एक युद्ध कौशल में निपुण नेता हैं।

रिजर्वेशन पर सुशील कुमार शिंदे ने दे दिया ऐसा बयान, कांग्रेस की बढ़ सकती है मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हाल के दिनों में न केवल महाराष्ट्र में बल्कि पूरे देश में कांग्रेस में एक बड़ा विरोध देखने को मिला है। कई बड़े नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा है तो कुछ ने कांग्रेस में रहते हुए भी अपनी ही पार्टी की नीति की कड़ी आलोचना की है। कुछ दिनों पहले महाराष्ट्र की राजनीति में पृथ्वीराज चौहान के कांग्रेस छोड़ने की चर्चा थी, जिसके बाद कांग्रेस के बड़े नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने पार्टी के नेताओं को लेकर बड़ा बयान दिया है।

सुशील कुमार शिंदे ने यह कहकर कांग्रेस के नेताओं पर निशाना साधा है कि कांग्रेस के लोगों ने साजिश रची और मुझे मुख्यमंत्री पद से हटा दिया, लेकिन तब से कांग्रेस की हार हुई है। उन्होंने महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री रहते हुए लिए गए कुछ फैसलों का भी खुलासा किया। जब महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब राज्य में गुजराती समुदाय को विशेष आरक्षण दिया जाता था। इस पर सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि चूंकि मेरा दामाद गुजराती है, इसलिए मैंने गुजराती समुदाय को आरक्षण दिया। सुशील कुमार शिंदे ने खेद व्यक्त किया कि यह सब करने के कारण मैं वहां फिर से निर्वाचित हो गया लेकिन अब धीरे-धीरे मेरे निर्वाचन क्षेत्र के नागरिक मुझे भूलने लगे हैं।

बता दें कि महाराष्ट्र गुजराती सामुदायिक निगम ने आज सोलापुर में एक विशेष समारोह का आयोजन किया। इस बीच सुशील कुमार शिंदे को भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया.गुजराती समुदाय को संबोधित करते हुए सुशील कुमार शिंदे ने दिल से खेद जताया। सुशील कुमार के कांग्रेस विरोधी बयान की सियासी गलियारों में चर्चा है।

अयोध्या में एक भक्त ने बनवाया योगी आदित्यनाथ का मंदिर, सुबह-शाम होती है पूजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नेताओं की लोकप्रियता और उनके प्रति जनता की दीवानगी तो हमने खूब देखा है। अपने नेताओं को लेकर कई समर्थक तो ऐसे भी होते हैं जो उनकी तुलना भगवान से करने लगते हैं। कुछ ऐसा ही योगी आदित्यनाथ के साथ हो रहा है। दरअसल, अयोध्या के एक व्यक्ति ने योगी आदित्यनाथ का मंदिर बनवा दिया है। योगी आदित्यनाथ से वह इतना प्रभावित है कि उसने मंदिर में योगी को भगवान श्री राम का रूप दे दिया है। मंदिर में सुबह शाम पूजा होती है। आरती होती है। आसपास के लोग भी योगी आदित्यनाथ की प्रतिमा को पूजा करने यहां पहुंचने लगे हैं। पूजा के बाद भक्तों के बीच प्रसाद बांटा जा रहा है। मंदिर बनवाने वाले योगी के भक्त का नाम प्रभाकर मौर्य है जो 32 साल का है। प्रभाकर अयोध्या के मौर्या का पुरवा गांव में रहता है। उसने मंदिर को बनवाने में 8.56 लाखों रुपए खर्च किए हैं।

योगी को इस मंदिर में राम के अवतार में दिखाया गया है। योगी आदित्यनाथ की जो मूर्ति है, उसके हाथ में धनुष और तीर भी थमाया गया है। इसके अलावा उनके पीछे चक्र भी दिखाई दे रहा है। दरअसल, प्रभाकर प्रसिद्ध यूट्यूबर हैं। प्रभाकर मौर्य ने योगी आदित्यनाथ के समर्थन में 500 से ज्यादा गाने गाए हैं। योगी आदित्यनाथ की मूर्ति को राजस्थान में विशेष आर्डर पर बनवाया गया है। प्रभाकर योगी आदित्यनाथ को भगवान राम और कृष्ण का अवतार मानते हैं। प्रभाकर का दावा है कि योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म का प्रचार कर रहे हैं इसलिए उनके लिए वह भगवान से कम नहीं हैं। प्रभाकर ने यह भी बताया है कि हमने योगी आदित्यनाथ जी का मंदिर बनवाया है इसलिए क्योंकि वह भगवान राम का मंदिर बनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस तरह जन कल्याण के लिए काम किए हैं, उन्हें देवता का स्थान मिल गया है।

यूट्यूबर का दावा है कि उसने यूट्यूब के द्वारा कमाए गए पैसे से यह मंदिर बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि वह बेरोजगार और भूमिहीन हैं, लेकिन वे यूट्यूब पर भजन और धार्मिक गीत पोस्ट करके महीने में लगभग एक लाख रुपये कमाते हैं और उसी पैसे से इस मंदिर का निर्माण किया। मंदिर में स्थापित मूर्ति फाइबर की है। मूर्ति की ऊंचाई 5 फीट 4 इंच है। प्रभाकर योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी कर चुका है। प्रभाकर रामायण और जागरण में जाता है। इसके बाद उसने यूट्यूब पर अपना चैनल बनाया। यह मंदिर राम जन्मभूमि से करीब 25 किलोमीटर दूर जिले के भरतकुंड क्षेत्र में फैजाबाद-प्रयागराज राजमार्ग पर बनाया गया है। माना जाता है कि भरतकुंड वह स्थान है जहां भगवान राम के भाई भरत ने उन्हें वनवास जाते समय विदाई दी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के गोददरा थाने के पीआई के तबादले के बाद लोगों ने पटाखे फोड़े और विदाई के लिए खुली जीप में रोड शो किया,लोगों के दिलों में जगह बनाई है.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात राज्य गृह विभाग आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए राज्य के पुलिस अधिकारियों का तबादला कर रहा है। फिर पिछले 26 अगस्त को राज्य के 38 पीआईओ को एक साथ स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया था, जिसमें से सूरत के गोददरा थाने के पीआई एजी गामित को आदेश दिया गया था. पीआई एजी गामित रविवार को पुराने थाने का प्रभार छोड़ रहे थे। फिर स्थानीय लोगों और साथी पुलिसकर्मियों ने पटाखे फोड़े और रोड शो कर विदाई दी.

पीआई का विशेष स्वागत सामान्य परिस्थितियों में पुलिस और जनता के बीच संघर्ष होता है। ऐसे में सूरत में पुलिस और जनता के बीच सामंजस्यपूर्ण समन्वय का एक बेहतर परिदृश्य फिर से सामने आया है। मामला यह है कि आगामी गुजरात चुनाव के चलते गृह विभाग द्वारा पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर पुलिस अधिकारियों के आंतरिक तबादले किए जा रहे हैं, जिसके तहत 26 अगस्त को आंतरिक तबादले के आदेश दिए गए थे. राज्य के 38 पीआईओ, जिनमें सूरत के गोददरा थाने के पीआई को भी अहमदाबाद स्थानांतरित करने का आदेश दिया गया है। उस समय पीआई एजी गामित अपना चार्ज छोड़कर गोददरा थाने से निकल रहे थे। इस दौरान उनका विशेष स्वागत किया गया।

थाना क्षेत्र में पुलिस की बहुत अच्छी छवि बनाकर पीआई एजी गामित ने अपने थाना क्षेत्र में पुलिस की बहुत अच्छी छवि बनाई । थाना क्षेत्र के इलाकों में ही नहीं बल्कि थाने में कार्यरत सभी कर्मचारियों से भी काफी अच्छे पारिवारिक संबंध बने.शो के बाद विदाई दी गयी. शायद किसी थाने के पीआई का इस तरह का प्रस्थान अब तक नहीं देखा गया है, और स्थानीय लोगों और नेताओं ने पीआई को जल्द से जल्द सूरत में सेवा करने के लिए वापस आने की कामना की। रोड शो के बाद पीआई को विदाई दी गई और पीआई एजी गामित के गोददरा पुलिस स्टेशन के प्रभारी के रूप में भव्य स्वागत किया गया।

पहली बार पीआई का विदाई रोड शो खुली जीप में देखा गया. पीआई गमीत जब थाने से प्रभार छोड़ते हुए निकले तो थाना क्षेत्र में सामाजिक नेताओं, साथी पुलिसकर्मियों, व्यापारियों द्वारा पटाखे फोड़कर भव्य रोड शो का आयोजन किया गया,

जिसमें पीआई गमीत खुली जीप में लोगों के बीच से गुजरे और अभिवादन ग्रहण किया. एक अच्छी नौकरी के लिए सभी का लोगों के दिलों में अपनी जगह बदलने वाले पीआई एजी गामित ने कहा कि गोददरा थाना शुरू किया गया था. 17-12-2020 से मैंने थाने की स्थापना से ही यहां कार्यभार संभाला है। नए थाने के नए क्षेत्र के लिए जनता के दिलों में पुलिस के लिए जगह बनाना एक चुनौती थी, लेकिन मैंने साथी पुलिसकर्मियों की मदद से हर संभव कोशिश की, ताकि इस समस्या को हल किया जा सके। गोददरा पुलिस क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और मुद्दों के साथ-साथ कानून व्यवस्था भी लोगों को परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप मैंने जाते समय लोगों से इस तरह का प्यार देखा है आज अहमदाबाद जाने के लिए, जिससे मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है।

कार्यों का समापन व उद्घाटन,रोड शो भी संभव

सूरत में 29 सितंबर को होगा भव्य आयोजन, 3000 करोड़ से अधिक के कार्यों का समापन और शुभारंभ।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सत्तारूढ़ दल अब खातमुहूर्त और कार्यक्रमों की शुरुआत की तैयारी में जुटा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 सितंबर को सूरत के दौरे पर हैं। नीलगिरि मैदान में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। सूरत निगम के 3,000 करोड़ से अधिक अनुमानित कार्यों को अंतिम रूप देगा और उनका उद्घाटन करेगा।

नरेंद्र मोदी सूरत का दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 सितंबर को सूरत में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे. जिसमें वह विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ और निष्पादन करेंगे। सार्वजनिक सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं को जनता के लिए खोल दिया जाएगा, और नई परियोजनाओं को भी शुरू किया जाएगा। लिंबायत नीलगिरि मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीपैड की योजना बनाने के लिए नेताओं और अधिकारियों द्वारा एक साइट का दौरा किया गया है।

ममता टॉकीज या महर्षि आस्तिक मंदिर के पास एक हेलीपैड तैयार किया जा सकता है।

गुजरात सरकार आगामी विधानसभ सत्र में आवारा पशु नियंत्रण कानून लेगी वापस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आवारा पशु नियंत्रण कानून के खिलाफ पशुपालकों के प्रदर्शन और चेतावनी देखते हुए गुजरात सरकार ने आगामी विधानसभा के सत्र में इस कानून को वापस लेने का फैसला किया है। इसी साल के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव होने हैं और सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है7 इसी वजह से राज्य सरकार ने पशुपालकों की आवारा पशु नियंत्रण कानून वापस लेने की मांग को स्वीकार कर लिया है। 1 अप्रैल को ही आवारा पशु नियंत्रण कानून गुजरात विधानसभा में पारित किया गया था। इसके प्रावधानों में शहरी क्षेत्रों में पशु रखने के लिए लाइसंस लेना अनिवार्य था और लाइसंसधारी को 15 दिन के भीतर अपने पशु पर टैग लगाना, कानून के उल्लंघन पर 1 साल की सजा और 5 से 20 हजार रुपए तक का जुर्माना, शहरी इलाकों में टैग के साथ पकड़े गए पशुओं के मामलों में पहली बार रु 5000, दूसरी रु 10000 और तीसरी बार रु 15000 के जुर्माने समेत फौजदारी मामला दर्ज करने, पकड़े गए पशु की मालिकी का अगर 7 दिन में कोई दावा नहीं किया जाता है महानगर पालिका का उस पशु पर मालिका हक होगा। इसके अलावा पशु पकड़ने वाली टीम पर हमले के मामलों में व्यक्ति या समूह को 1 साल की कैद और रु 50000 से रु 100000 तक के जुर्माने का प्रावधान था।

लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के दिएरा से रातों-रात मशहूर हुए कामभाई सूरत का दौरा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी के दिएरा से रातों-रात मशहूर हुए कामभाई सूरत का दौरा कर चुके हैं. दो दिवसीय दौरे पर सूरत के वराछा में लोकदिरा का दौरा करने के बाद अगले दिन कामाभाई ने पर्वत पाटिया में एक मोबाइल की दुकान का दौरा किया। इस बार कामाभाई को खुली गाड़ी में लाया गया। इसलिए लोग सेल्फी लेने और कामाभाई से हाथ मिलाने के लिए उमड़ रहे थे।

शाही अंदाज में लोकदिरा की एंट्री से मशहूर हुए कामभाई अब खुद को वहां गेस्ट के तौर पर न्यौता देते हैं। उस समय सूरत में रात के समय कामाभाई एक लोकदीरा में मौजूद थे। इसके बाद भी लोगों ने उन्हें घेर लिया और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए दौड़ पड़े। कामाभाई को ओपनिंग रूफ टॉप वाली कार में दोनों जगहों पर शाही अंदाज में एंट्री दी गई। फिर लोग चिल्लाए।

खुद सम्मान कामभाई को वहां आमंत्रित करने वाले अंकुर ने कहा कि कामभाई मानसिक रूप से विकलांग लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आज समाज में मानसिक रूप से विकलांग लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया जाता है। तब कीर्तिदानभाई गढ़वी ने कामाभाई को सेलिब्रिटी बना दिया। लेकिन इसे समाज में प्राथमिकता दी गई है। उस समय हमने कामाभाई को अपने पास आमंत्रित किया और मानसिक रूप से विकलांग लोगों के प्रति समाज में एक अच्छी भावना पैदा करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया और लोगों ने कामाभाई को एक सेलिब्रिटी के रूप में सम्मानित किया।

दिव्यांग कामो आज डायरी का सितारा बन गया है कामो

सुरेंद्रनगर के कोठारिया गांव में रहने वाला मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति है। बचपन से ही, कामो, धर्मनिष्ठ और धार्मिक, जब भी गाँव में कोई दयरा या भजन कार्यक्रम होता था, तो वह हमेशा उपस्थित रहता था। मानसिक मंदता आज डायरी का मुख्य विषय बन गई है। प्रसिद्ध लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी ने सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हुए काम पर ध्यान दिया और उनका जीवन बदल गया।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोकप्रियता बढ़ती गई

सुरेंद्रनगर के कोठारिया गांव में कुछ दिन पहले वाजा भगत के आश्रम में गौशाला के लाभ के लिए भागवत कथा का आयोजन किया गया था. इस बीच कीर्तिदान गढ़वी की दिन-रात एक डायरी थी। जिसमें उन्होंने कथावाचक जिग्नेशदादा का प्रसिद्ध भजन 'घर जवां गमातु नाइ' गाया।

यह सुनकर दियारा में मौजूद कमो उर्फ कमलेशभाई उत्साहित हो गए और अपने आसपास की दुनिया को भूलकर अपनी ही मस्ती में नाचने लगे। इसी बीच कीर्तिदान गढ़वी ने उन्हें देख लिया था। उसने उसे फोन किया और उसका नाम पूछा। बाद में कीर्तिदान को पता चला कि वह विकलांग है। कीर्तिदान ने कमाई से खुश होकर उसे 2 हजार रुपये दिए। कमनो कीर्तिदान के साथ वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, इसकी लोकप्रियता बढ़ने लगी।

कामो बचपन से ही बहुत धार्मिक और परोपकारी है कामो मूल रूप से कोठारिया गांव का रहने वाला है। उनके पिता का नाम नरोत्तमभाई है। उनके तीन बेटे हैं और कामो सबसे छोटा है।

हालांकि कमो एक विकलांगता के साथ पैदा हुआ था, लेकिन उसके माता-पिता ने उसे एक सामान्य बच्चे की तरह पाला। कामो बचपन से ही बहुत धार्मिक और परोपकारी रहे हैं। वे बचपन से ही वाज भगत के आश्रम में आने वाले भक्तों को चाय-पानी पिलाते थे। चूंकि कमान रामापीर के आख्यान और भजनों के शौकीन थे, इसलिए वे निश्चित रूप से गाँव में ऐसे किसी भी कार्यक्रम में शामिल होते थे।